बस्तर दशहरा में शामिल होंगे गृहमंत्री अमित शाह, 4 अक्टूबर को आएंगे छत्तीसगढ़

लोक शक्ति

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

पवन सिंह ने की अमित शाह से भेंट

RNI Regn. No.7789/1964 | वर्ष-61 > अंक - 274 | रायपुर | बुधवार 01 अक्टूबर 2025 विक्रम संवत 2082 | पृष्ठ 8 > मूल्य : 2 रू. | डाक पंजीयन : C.G./RYP DN/71/2023-25

मुंबई से दिल्ली आ रहे इंडिगो के विमान को मिली बम की धमकी, दिल्ली एयरपोर्ट पर सघन तलाशी

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली एयरपोर्ट पर मंगलवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब मुंबई से दिल्ली आ रही इंडिगो की फ्लाइट 6ई 762 को बम से उड़ाने की धमकी मिली। यह धमकी सुबह करीब 8 बजे मिली। सूचना मिलने के बाद दिल्ली एयरपोर्ट पर सतर्कता बढ़ा दी गई और विमान की लैंडिंग के समय सभी सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन किया गया। हालांकि जांच में ऐसी कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली।

हालांकि, जांच के बाद यह पता चला कि यह धमकी नॉन-स्पेसिफिक यानी स्पष्ट रूप से किसी सटीक खतरे की ओर इशारा नहीं कर रही थी। बावजूद इसके, किसी भी प्रकार की चूक से बचने के लिए सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे प्रोटोकॉल के तहत कार्रवाई की।

दिल्ली एयरपोर्ट पर लैंडिंग के बाद सभी यात्रियों को उतारा गया और विमान की गहन तलाशी ली गई। यात्रियों के सामान की भी बारीकी से जांच की गई। जांच पूरी होने तक एयरपोर्ट पर सुरक्षा बढ़ा दी गई थी।

प्रधानमंत्री विशेष रूप से डिजाइन किए गए स्मारक डाक टिकट और सिक्का जारी करेंगे

आरएसएस शताब्दी समारोह में भाग लेंगे पीएम

शताब्दी समारोह में आरएसएस की विरासत, सांस्कृतिक योगदान और भारत की एकता में भूमिका का उल्लेख किया जाएगा

एजेंसी नई दिल्ली।

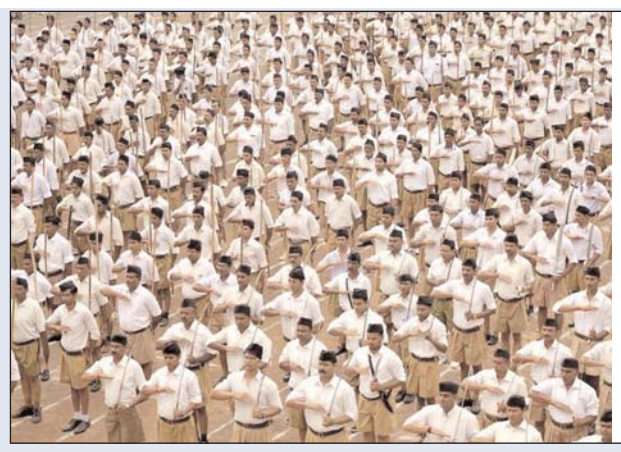

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 1 अक्टूबर 2025 को सुबह 10:30 बजे नई दिल्ली स्थित डॉ. अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेंगे। इस अवसर पर, प्रधानमंत्री राष्ट्र के प्रति आरएसएस के योगदान को दर्शाने वाला एक विशेष रूप से डिज़ाइन किये गये स्मारक डाक टिकट और सिक्के को जारी करेंगे तथा उपस्थित जनसमूह को संबोधित भी करेंगे।

डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार द्वारा 1925 में नागपुर, महाराष्ट्र में स्थापित, आरएसएस की स्थापना एक स्वयंसेवक-आधारित संगठन के रूप में की गई थी, जिसका लक्ष्य नागरिकों में सांस्कृतिक जागरूकता, अनुशासन, सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी को बढ़ावा देना था।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ राष्ट्रीय पुनर्निर्माण के लिए एक अनूठा जन-पोषित आंदोलन है। इसके उदय को सदियों के विदेशी शासन के प्रति प्रतिक्रिया के रूप में देखा गया है, और इसके निरंतर विकास का श्रेय धर्म में निहित भारत के राष्ट्रीय गौरव के इसके दृष्टिकोण की भावनात्मक प्रतिध्वनि को दिया जाता है।

संघ का मुख्य उद्देश्य देशभक्ति और राष्ट्रीय चरित्र निर्माण है। यह मातृभूमि के प्रति समर्पण, अनुशासन, संयम, साहस और वीरता का संचार करता है। संघ का अंतिम लक्ष्य भारत का ÷सर्वांगीण उन्नति÷ है, जिसके लिए प्रत्येक स्वयंसेवक स्वयं को समर्पित करता है। पिछली शताब्दी में, आरएसएस ने शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक कल्याण और आपदा राहत क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आरएसएस के स्वयंसेवकों ने बाढ़, भूकंप और चक्रवात जैसी प्राकृतिक आपदाओं के दौरान राहत और पुनर्वास कार्यों में सक्रिय रूप से भाग लिया है। इसके अलावा, आरएसएस के विभिन्न सहयोगी संगठनों ने युवाओं, महिलाओं और किसानों को सशक्त बनाने, जनभागीदारी को बढ़ावा देने और स्थानीय समुदायों को मज़बूत बनाने में योगदान दिया है। शताब्दी समारोह न केवल आरएसएस की ऐतिहासिक उपलब्धियों का सम्मान करता है, बल्कि भारत की सांस्कृतिक यात्रा में इसके स्थायी योगदान और राष्ट्रीय एकता के संदेश को भी प्रकट करता है।

दिल्ली के स्कूलों में पढ़ाया जाएगा आरएसएस का इतिहास – सरकार के स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों को अब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के योगदान के बारे में भी पढ़ाया जाएगा। राज्य सरकार ने एक नया शैक्षिक कार्यक्रम 'राष्ट्रनीति' शुरू किया है, जिसके तहत छात्रों को नागरिक जिम्मेदारी, राष्ट्रीय गौरव और सामाजिक चेतना जैसे मूल्यों से परिचित कराया जाएगा। **कक्षा-1 से 12वीं तक पाठ्यक्रम** – दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि यह पहल पहली कक्षा से लेकर बारहवीं तक के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है। उन्होंने कहा, इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में नागरिक जागरूकता और मौलिक कर्तव्यों की समझ को मजबूत करना है। इसी दृष्टिकोण से आरएसएस जैसे संगठनों और स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को पाठ्यक्रम में शामिल किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री ने श्री वी.के. मल्होत्रा के निवास पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की

नई दिल्ली एजेंसी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज दिवंगत श्री वी.के. मल्होत्रा के आवास पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति भी अपनी संवेदना व्यक्त की। श्री वी.के. मल्होत्रा के योगदान को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि दिल्ली के विकास के लिए उनके प्रयासों को हमेशा याद रखा जाएगा।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहाः

÷दिवंगत श्री वी.के. मल्होत्रा जी के निवास पर गया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उनके परिवार के प्रति भी संवेदना व्यक्त की। दिल्ली के विकास और हमारी पार्टी के सुशासन के एजेंडे को आगे बढ़ाने में उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा।÷

पंजाब के बाढ़ प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता देने के लिए कटिबद्ध मोदी सरकार अमित शाह

एजेंसी

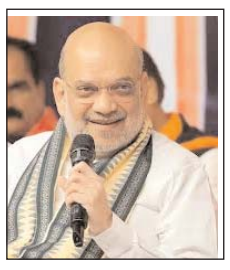

नई दिल्ली, । केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि मोदी सरकार पंजाब के लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है और राज्य के बाढ़ प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता प्रदान करने के प्रति कटिबद्ध है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मंगलवार की शाम को नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की और उन्हें मानसून के दौरान आई बाढ़ से राज्य में हुए नुकसान की जानकारी दी। उन्होंने आपदा राहत एवं पुनर्स्थापन के लिए राज्य के लिए अतिरिक्त धनराशि स्वीकृत करने की भी मांग की।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष (एसडीआरएफ) में राज्य के पास 12,589.59 करोड़ रुपए की पर्याप्त धनराशि उपलब्ध है, जिसका उपयोग भारत सरकार के मानदंडों के अनुसार प्रभावित लोगों को राहत पहुंचाने और तत्काल पुनर्वास के लिए किया जा सकता है।

बिहार में एसआईआर के बाद चुनाव आयोग ने जारी की फाइनल वोटर लिस्ट

नई दिल्ली एजेंसी।

बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत मंगलवार (30 सितंबर 2025) को अंतिम निर्वाचक सूची जारी कर दी गई है। राज्य के सभी पात्र मतदाता अब ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से अपने नाम की जानकारी देख सकते हैं। चुनाव आयोग ने एक लिंक शेयर किया है, जिस पर मतदाता अपने नाम, पते और अन्य विवरण की पुष्टि कर सकते हैं। निर्वाचक सूची का प्रकाशन विधानसभा चुनावों की तैयारियों में एक अहम कदम माना जा रहा है।

इससे पहले एक अगस्त को चुनाव आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के बाद पहला संशोधित वोटर लिस्ट ड्राफ्ट जारी किया था। बिहार के 243 विधानसभा क्षेत्रों के 90,817 मतदान केंद्रों के लिए तैयार मतदाता सूची का प्रारूप मान्यता राजनीतिक दलों के साथ भी शेयर किया गया था।

बता दें कि एसआईआर के पहले चरण में कुल 65,64,075 मतदाताओं के नाम हटाए गए थे। इनमें फर्जी मतदाता और मृतक मतदाता शामिल थे। साथ ही, उन लोगों के भी नाम हटाए गए थे, जिनका वोटर आईडी कार्ड किसी अन्य राज्य में बना हुआ है। हालांकि, इस पर कई नेताओं ने आपत्ति भी दर्ज कराई थी, जिस पर जमकर बहस चली थी। खासकर विपक्षी पार्टियों के नेता राहुल गांधी, तेजस्वी यादव, मल्लिकार्जुन खरगे, मनोज झा समेत अन्य नेताओं ने चुनाव आयोग पर निशाना साधा था और फर्जी अवैध मतदाताओं के नाम हटाए जाने पर जमकर बवाल किया था। इन सबके बीच, यह मुद्दा सुप्रीम कोर्ट तक भी ले जाया गया, जहां एसआईआर की प्रक्रिया में आधार कार्ड को भी एक दस्तावेज के रूप में शामिल किए जाने को लेकर अंतरिम निर्देश जारी किया गया था।

अगर आप बिहार की अंतिम मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराना चाहते हैं, तो आप इसे ऑनलाइन, मोबाइल ऐप या एसएमएस के जरिए कर सकते हैं। यह प्रक्रिया आसान है और इसके लिए केवल बुनियादी जानकारी या आपके EPIC (वोटर आईडी) नंबर की आवश्यकता होती है।

किरेन रिजिजू ने कसा तंज, कहा- मैच लाइव था, वर्ना पाकिस्तान खुद को विजेता घोषित कर देता

एजेंसी नई दिल्ली । भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ रविवार को दुबई में एशिया कप 2025 का खिताबी मुकाबला अपने नाम किया। इस हाई-वोल्टेज मुकाबले को लेकर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने पाकिस्तानी टीम पर तंज कसा है। री-पोस्ट करते हुए किरेन रिजिजू ने लिखा, मैच टीवी पर लाइव था, अन्यथा पाकिस्तान कहता कि उन्होंने मैच जीत लिया! उल्लेखनीय है कि भारत और पाकिस्तान के बीच रविवार को एशिया कप 2025 के फाइनल मैच में हाई-वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला था।

गांधी जयंती से ठीक पहले लंदन में बापू का अपमान, प्रतिमा तोड़ी; अपमानजनक शब्द भी लिखे

एजेंसी । लंदन ।

ब्रिटेन की राजधानी लंदन के टैविस्टॉक स्क्वायर पर स्थापित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा के साथ तोड़फोड़ की गई है। 2 अक्टूबर को गांधी जयंती और अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस समारोह से कुछ दिन पहले हुई इस घटना की भारतीय उच्चायोग ने कड़ी निंदा की है। अज्ञात शरारती तत्वों ने न केवल प्रतिमा को नुकसान पहुंचाया, बल्कि उसके चबूतरे पर आपत्तिजनक शब्द भी लिख दिए। लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए इसे महात्मा गांधी की विरासत और अहिंसा के विचार पर एक हिंसक हमला बताया है। उच्चायोग ने सोशल मीडिया पर जारी एक बयान में कहा, हम टैविस्टॉक स्क्वायर पर महात्मा गांधी की प्रतिमा को तोड़े जाने की कड़ी निंदा करते हैं। यह सिर्फ तोड़फोड़ नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस से ठीक पहले अहिंसा के विचार पर हमला है। हमने तत्काल कार्रवाई के लिए स्थानीय अधिकारियों के समक्ष इस मुद्दे को गंभीरता से उठाया है।

विदेश | प्रधानमंत्री मोदी ने भी गाजा में सीजफायर को लेकर ट्रंप के प्लान पर लगाई मुहर

जल्द खत्म होगा इजरायल-हमास युद्ध, ट्रंप ने पेश किया 20 बिंदुओं वाला शांति प्रस्ताव

एजेंसी।

गाजा ,। गाजा में सीजफायर से जुड़े अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रस्ताव पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को प्रतिक्रिया दी। पीएम मोदी ने उम्मीद जताई कि राष्ट्रपति ट्रंप के इस प्रस्ताव को सभी पक्षों का समर्थन मिलेगा।

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, हम गाजा संघर्ष को समाप्त करने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की व्यापक योजना का स्वागत करते हैं। यह फिलिस्तीनी और इजरायली लोगों के साथ-साथ व्यापक पश्चिम एशियाई क्षेत्र के लिए दीर्घकालिक और स्थायी शांति, सुरक्षा और विकास का एक व्यवहार्य मार्ग प्रदान करता है। हमें उम्मीद है कि सभी संबंधित पक्ष राष्ट्रपति ट्रंप की पहल पर एकजुट होंगे और संघर्ष को समाप्त करने और शांति सुनिश्चित करने के इस प्रयास का समर्थन करेंगे।

बता दें, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने 20 प्वाइंट्स में गाजा में संघर्ष खत्म करने के लिए प्लान तैयार किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति के इस प्लान को इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और मुस्लिम देशों का समर्थन मिल चुका है। अब अमेरिकी राष्ट्रपति का यह प्रस्ताव मिस्र और कतर के मध्यस्थों ने हमास के सामने पेश किया है। हमास ने प्रस्ताव को लेकर कहा कि किसी भी तरह की प्रतिक्रिया देने से पहले इस मामले पर गंभीरता से विचार किया जाएगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ने यूएनजीए की बैठक से इतर अरब और मुस्लिम देशों के साथ बैठक की थी। इस दौरान ही गाजापट्टी में सीजफायर को लेकर ट्रंप ने अपना प्रस्ताव पेश किया। अमेरिका ने फिर इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को भी अपनी योजना बताई। पीएम नेतन्याहू ने भी ट्रंप के प्लान का समर्थन किया। इसके बाद नेतन्याहू ने ट्रंप से वाशिंगटन डीसी में 29 सितंबर की देर रात को मुलाकात की। 7 अक्टूबर 2023 को हमास ने इजरायल पर हमला किया था, जिसके बाद से इजरायल के पीएम नेतन्याहू ने इसे मिटाने की कसम खाई थी। बीते दो वर्षों से ये संघर्ष जारी है। हमले की दूसरी वर्षगांठ से पहले नेतन्याहू ने भी सीजफायर को लेकर अपनी इच्छा जताई है।

वैश्विक नवाचार सूचकांक 2025 में 38वें स्थान पर पहुंचा भारत

एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की साख दुनियाभर में मजबूत हुई है। मोदी सरकार आने के बाद से भारत की तमाम रैंकिंग में सुधार हुआ है। अब भारत ने ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स (GII) 2025 यानि वैश्विक नवाचार सूचकांक (जीआईआई) में 38वां स्थान हासिल किया है। 133 वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं में भारत की प्रगति का अंदाजा इसी से लगा सकते हैं कि साल 2014 में वह 76वें स्थान पर था। मोदी राज में यह 2020 में 48वें नंबर पर पहुंच गया और अब पिछले 5 साल में 10 पायदान की छलांग लगाकर 38वें नंबर पर पहुंच गया है। GII से साफ है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने पिछले 10 सालों में शानदार प्रदर्शन किया है। ताजा इंडेक्स से पता चलता है कि स्टार्टअप के लिए बेहतर माहौल तैयार करने और नवाचार को बढ़ावा देने में भारत लगातार सुधार कर रहा है। जीआईआई दुनिया भर के देशों में नवाचार के नेतृत्व वाले सामाजिक और आर्थिक परिवर्तनों का आकलन करने के लिए दुनिया भर की सरकारों के लिए एक विश्वसनीय उपकरण है। यह 133 वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं के इनोवेशन इकोसिस्टम के प्रदर्शन का मूल्यांकन करता है और नवीनतम वैश्विक नवाचार रुझानों को ट्रैक करता है। जापान के नोबेल पुरस्कार विजेता भौतिकी विज्ञानी ताकाआकी काजिता ने जीआईआई में लगातार हो रही तरक्की की सराहना की है। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में भारत के तढ्ढढ्ढ में लगातार सुधार मोदी सरकार के दृष्टिकोण और प्रयासों का परिणाम है। अगर टॉप देशों की बात करें, तो लिस्ट में पहले नंबर पर सिंगापुर है, जिसके पासपोर्ट पर 193 देशों में वीजा-फ्री एंट्री मिलती है। दूसरे नंबर पर जापान और दक्षिण कोरिया हैं, जहां इनके नागरिक 190 देशों में बिना वीजा जा सकते हैं। तीसरे पायदान पर डेनमार्क, फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी, इटली, आयरलैंड और स्पेन जैसे देश हैं। चौथे पर स्वीडन, ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, नीदरलैंड, पुर्तगाल और पांचवें नंबर पर स्विट्जरलैंड, न्यूजीलैंड और ग्रीस शामिल हैं।

हेनले रैंकिंग: मोदी राज में भारतीय पासपोर्ट की साख और मजबूत मोदी सरकार आने के बाद से जहां भारत कई इंटरनेशनल रैंकिंग्स में ऊपर उठा है, वहीं अब भारतीय पासपोर्ट की ताकत भी और बढ़ गई है। लंदन की हेनले एंड पार्टनर्स ने दुनिया के सबसे पावरफुल पासपोर्ट की ताजा रैंकिंग जारी की है। इस हेनले पासपोर्ट इंडेक्स में भारत अब 76वें पायदान पर पहुंच गया है। सबसे बड़ी बात ये है कि भारतीय पासपोर्ट पर अब 58 देशों की यात्रा बिना वीजा के की जा सकती है। भारत के पासपोर्ट की ताकत बढ़ने के पीछे अहम वजह है ङ्क लगातार बढ़ती अंतरराष्ट्रीय साझेदारियां, आपसी वीजा समझौते और जी20, ब्रिक्स, आसियान जैसे बड़े मंचों पर भारत की सक्रिय भूमिका। यही सब दिखाता है कि भारत के रिश्ते दुनिया भर में मजबूत हो रहे हैं और अर्थव्यवस्था से लेकर

शीर्ष 10 सबसे बड़ी पर्यटन अर्थव्यवस्थाओं में टॉप 10 में विश्व यात्रा और पर्यटन परिषद की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, 2024-25 में भारत विश्व की शीर्ष 10 सबसे बड़ी पर्यटन अर्थव्यवस्थाओं में आठवें स्थान पर पहुंच गया है। यह उपलब्धि भारत की कोविड-19 महामारी के बाद की तेज रिकवरी और पर्यटन क्षेत्र में हुए व्यापक विकास का प्रमाण है।

धमाके के बाद गोलियों की तड़तड़ाहट से दहला पाकिस्तान, सड़कों पर मचा कोहराम; 10 की मौत, दर्जनों घायल

क्वेटा , पाकिस्तान का अशांत बलूचिस्तान प्रांत मंगलवार को एक बड़े आतंकी हमले से दहल उठा। राजधानी क्वेटा में फ्रंटियर कोर (स्नष्ट) के मुख्यालय के पास हुए एक भीषण बम विस्फोट और उसके बाद हुई भारी गोलीबारी में कम से-कम दस लोगों की मौत हो गई, जबकि 19 अन्य घायल हो गए हैं। धमाका इतना शक्तिशाली था कि इसकी आवाज दूर-दूर तक सुनाई दी और आस-पास की इमारतों के शीशे टूट गए, जिससे इलाके में दहशत और अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया। अधिकारियों और प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, यह हमला क्वेटा के ज़रघून रोड पर स्थित फ्रंटियर कोर के मुख्यालय के पास हुआ। एक जोरदार धमाके के साथ ही आसमान में धुएं का गुबार छा गया। इसके तुरंत बाद इलाके में गोलियों की तड़तड़ाहट गूंजने लगी, जिससे निवासियों में और ज्यादा दहशत फैल गई। हमले की भीषणता को देखते हुए सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी है।

घटना के बाद बलूचिस्तान के स्वास्थ्य विभाग ने क्वेटा के सभी अस्पतालों में आपातकाल की घोषणा कर दी है। स्वास्थ्य सचिव मुजीबुर रहमान ने बताया कि सभी डॉक्टरों, सलाहकारों, नर्सों और पैरामेडिकल स्टाफ की छुट्टियां रद्द कर उन्हें तत्काल ड्यूटी पर रिपोर्ट करने का निर्देश दिया गया है।

वर्ल्ड फूड इंडिया 2025 में जशप्योर उत्पाद महुआ और मिलेट्स को मिली अंतर्राष्ट्रीय पहचान

जशपुरनगर संवाददाता।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार जिले में जनजातीय महिलाओं के उत्थान के लिए जशप्योर ब्रांड के तहत् स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता दिया जा रहा है। ताकि जनजाजीय समूह के महिलाएं स्थानीय स्तर के चीजों और वस्तुओं का उपयोग कर अपने हाथों से बनाए उत्पादों के विक्रय से आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सके।

इसी के तहत् भारत मंडपम नई दिल्ली में 25 से 28 सितम्बर 2025 तक आयोजित वर्ल्ड फूड इंडिया 2025 में जशप्योर ने अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज कराई। जशपुर से निकला यह ब्रांड अब राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आदिवासी महिलाओं की मेहनत और नवाचार का प्रतीक बन चुका है।

महुआ की बदलती पहचान

कभी केवल शराब की पहचान तक सीमित रहने वाले महुआ की छवि अब धीरे-धीरे बदल रही है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की दूरदर्शी सोच से महुआ से विभिन्न खाद्य सामग्री तैयार की जा रही है जो आज महुआ को सुपरफूड के रूप में तैयार किया जा रहा है और इसे राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय मंचों पर स्वास्थ्य एवं पोषण के प्रतीक के रूप में सराहना मिल रही है।

महुआ आधारित उत्पादों की व्यापक सराहना

जशप्योर द्वारा प्रदर्शित किए गए महुआ को इसके

पोषण मूल्य और दूध, मिठाइयों व पेय पदार्थों में प्राकृतिक स्वीटनर के रूप में उपयोग के लिए विशेष सराहना मिली। इसी प्रकार महुआ आधारित च्यवनप्राश को इसके अनूठे स्वास्थ्य लाभ और आधुनिक समय की जरूरतों के अनुरूप नवाचार के लिए व्यापक प्रशंसा प्राप्त हुई। इसके साथ ही महुआ चाय, कुकीज़ और एनर्जी स्नैक्स भी आकर्षण के केंद्र बने।

मिलेट्स और विविधता का प्रदर्शन

महुआ के साथ-साथ जशपुर के पारंपरिक लिटिल मिलेट (कुटकी), कोदो और बकव्हीट से बने उत्पाद में 15 से अधिक वैरायटी के मिलेट पास्ता, पौष्टिक स्नैक्स और बेकरी प्रोडक्ट्स ने आगंतुकों को आकर्षित किया और यह साबित किया कि ये अनाज भविष्य के सुपरफूड हैं। अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों की सराहना

प्रदर्शनी में कई देशों से आए डेलिगेट्स ने जशपुर की आदिवासी महिलाओं की मेहनत को सराहा। विशेष रूप से एस्वातिनी के कृषि मंत्री और कृषि निदेशक ने महुवा नेक्टर का स्वाद चखकर इसकी गुणवत्ता और नवाचार की प्रशंसा की और कहा कि यह वैश्विक स्तर पर पोषण और सेहत की नई पहचान बना सकता है। जशप्योर के पीछे खड़ी हैं जशपुर की आदिवासी महिला उद्यमी, जो जय जंगल एफ्पीसी के तहत काम कर रही हैं। उन्होंने फूड-ग्रेड हार्वेस्टिंग, स्वच्छ और वैज्ञानिक प्रोसेसिंग के जरिए महुआ और मिलेट्स को आधुनिक सुपरफूड्स में बदल दिया है। उनकी मेहनत और नवाचार ने जशपुर को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर नई पहचान दिलाई है।

खाद्य प्रसंस्करण सलाहकार श्री समर्थ जैन ने बताया कि महुआ अब केवल परंपरा या शराब की पहचान तक सीमित नहीं है। धीरे-धीरे यह अपनी असली पहचान एक जनजातीय सुपरफूड के रूप में पा रहा है। हमारी कोशिश है कि इसे वैज्ञानिक और आधुनिक स्वरूप में पूरी दुनिया तक पहुँचाया जाए। वर्ल्ड फूड इंडिया 2025 में जशप्योर की उपस्थिति इस बात का प्रमाण है कि जब परंपरा, मेहनत और नवाचार महिलाओं की शक्ति और मुख्यमंत्री की दृष्टि से मिलते हैं, तो जंगलों और गाँवों की कहानियाँ भी दुनिया तक गूँज सकती हैं।

फीता काटकर जनपद सदस्य संदीप मेश्राम ने क्रिकेट प्रतियोगिता का किया शुभारंभ

राजनांदगांव। अंम्बागढ़ चौकी विकासखण्ड के ग्राम ब्राह्मण भेड़ी में ग्रामीण स्तरीय टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में संदीप मेश्राम जनपद पंचायत सदस्य शामिल हुए,अध्यक्षता ग्राम के सरपंच नूमेश मंडावी, वीरेंद्र निषाद, नरेन्द्र निषाद, गुलशन साहू, रवि कुमार, लकी साहू, किशोर साहू, रूपचंद साहू, मानिक साहू, ताराचंद निषाद, अजय कुंभकार, विनय कुमार, हेमंत साहू चुम्मन नेताम, मनीष यादव,सहित ग्रामीण एवं आयोजनसमिति व खिलाड़ी शामिल हुए।

परिक्षेत्र साहू समाज मोखला के सभी पदाधिकारी निर्विरोध निर्वाचित

राजनांदगांव।

तहसील साहू संघ राजनांदगांव के अंतर्गत मोखला परिक्षेत्र साहू समाज का चुनाव संपन्न हुआ। जिसमें तहसील साहू संघ राजनांदगांव से चुनाव पर्यवेक्षक चंद्रशेखर साहू,चुनाव अधिकारी तिलक राम साहू, गिरीश साहू, श्रीमती तेजेश्वरी साहू की उपस्थिति में चुनाव संपन्न हुआ। सभी पदाधिकारी निर्विरोध निर्वाचित हुए। जिसमें अध्यक्ष राहुल साहू बूचीभरदा उपाध्यक्ष लखन लाल साहू मोखला ,उपाध्यक्ष महिला श्रीमती गायत्री साहू आरला, संगठन सचिव त्रिलोक साहू आरला, संगठन सचिव महिला श्रीमती संगीता साहू मोखला अध्यक्ष द्वारा दीपक साहू जंगलेसर को कोषाध्यक्ष एवं सचिव भूपेश कुमार साहू बुचीभरदा को मनोनीत किया गया। सभी निर्वाचित पदाधिकारियों को राम विलास साहू,तुकज राम साहू, डॉ.हेमंत साहू, शत्रुहन साहू,हेमशंकर साहू, कौशल साहू , कुलेश्वर दास साहू आदि ने बधाई एवं शुभकामना प्रेषित किया।

सरपंच दीनदयाल (दीनू) साहू के अथक प्रयास से हुआ स्कूल प्रांगण में टीन शेड का हुआ निर्माण

राजनांदगांव। जिला अंतर्गत जनपद पंचायत छुरिया के ग्राम पंचायत करमरी में हायर सेकंडरी स्कूल प्रांगण में मंच के पास वर्षों से लंबित टीन शेड निर्माण के मांग को सरपंच दीनदयाल (दीनू) साहू के अथक प्रयास से विधायक निधि से टीन शेड निर्माण कार्य सफल हुआ ।यह वि.खं.छुरिया का शायद पहला ग्राम पंचायत होगा जहां स्कूल प्रांगण के मंच में टीन शेड का निर्माण हुआ हो। स्कूल के छात्र छात्राओं को बारिश और गर्मी से बचने के साथ ही, स्कूल के सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए यह कारगर साबित होगा। ग्राम करमरी के ग्राम वासी कई वर्षों से टीन शेड निर्माण कि मांग करते आ रहे थे। सरपंच दीनदयाल साहू ने कहा कि ग्राम पंचायत करमरी के सर्वांगीणीय विकास हमारी प्राथमिकता है, जिसमें स्कूल प्रांगण के मंच में टीन शेड निर्माण के लिए हमने भरपूर प्रयास किया, जिसमें हमारे ग्राम पंचायत के सभी पंचों सहित ग्राम वासी का सहयोग मिला। स्कूल प्रांगण में टीन शेड का निर्माण कार्य होनें पर स्कूल के प्राचार्य सहित सभी शिक्षक शिक्षिकाओं और ग्राम वासी ने खुशी जताई है।

मुख्यमंत्री ने दी सौगात, 1 करोड़ 65 लाख की लागत से बनेगा विश्राम गृह, घोषणा अनुरूप मिली मंजूरी, जल्द शुरू होगा निर्माण कार्य

जशपुरनगर, । मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जिलेवासियों को एक और बड़ी सौगात दी है।उनकी घोषणा अनुरूप जिले के बागबहार में विश्राम गृह भवन के निर्माण कार्य के लिए स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। 1 करोड़ 65 लाख रुपए की राशि इस कार्य हेतु मंजूरी मिली है,जिसका निविदा प्रक्रिया पूर्ण होते ही निर्माण कार्य जल्द शुरू की जाएगी।गौरतलब है कि जिले के फरसाबहार में भी विश्राम गृह निर्माण के लिए 1 करोड़ 72 लाख रुपए मंजूरी मिल चुकी है।बागबहार क्षेत्र के लोगों के लिए लंबे समय से विश्राम गृह की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। अब इस भवन के निर्माण से न केवल आम नागरिकों को सुविधा मिलेगी,बल्कि विभिन्न सरकारी-अर्धसरकारी कार्यक्रमों, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं बाहर से आने वाले मेहमानों के ठहरने की भी उत्तम व्यवस्था उपलब्ध हो सकेगी।मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में जशपुर जिले में विकास की नई इबारत लिखी जा रही है। लगातार सड़कों, पुल-पुलियों, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन और जनसुविधाओं से जुड़ी योजनाओं को धरातल पर उतारा जा रहा है। इसी कड़ी में बागबहार को यह सौगात मिली है, जो आने वाले समय में क्षेत्र के लिए बेहद

उपयोगी साबित होगी।ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बागबहार में विश्राम गृह बनने से क्षेत्र का गौरव बढ़ेगा और स्थानीय लोगों को लंबे समय से चली आ रही सुविधा की कमी पूरी होगी। **मुख्यमंत्री की घोषणा पर हो रहा है तत्काल अमल**

यह उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा की गई घोषणाओं पर तत्काल अमल हो रहा है। यही कारण है कि जिले में एक के बाद एक विकास कार्यों को मंजूरी मिल रही है और आमजन सीधे तौर पर इसका लाभ मिल रहा है।

परिक्षेत्र साहू समाज बादराटोला के अध्यक्ष भालचंदसाहू बने

संवाददाता

राजनांदगांव।तहसील साहू संघ कुमरदा के अंतर्गत बादराटोला परिक्षेत्र साहू समाज का चुनाव संपन्न हुआ। जिसमें मिलाप दास साहू अध्यक्ष तहसील साहू संघ कुमरदा, भवभूति कलियारी निर्वाचन अधिकारी युगलकिशोर साहू अध्यक्ष परिक्षेत्र कलडबरी चंद्रभान साहू सचिव परिक्षेत्र बादराटोला ईश्वर साहू की उपस्थिति में निर्वाचन संपन्न हुआ अध्यक्ष पद के चुनाव में भालचंद साहू आतरगांव विजयी घोषित किया गया उपाध्यक्ष में नरेंद्र कुमार खुर्सीटिकुल एवं महिला उपाध्यक्ष संतोषी साहू पति नोहरलाल साहू अछोली निर्वरोध निर्वाचित हुए संगठन सचिव में श्री महेशदास सोनवानी बादराटोला एवं श्रीमती गीतेश्वरी साहू पति श्री दीपक साहू करेठी निर्वरोध निर्वाचित हुए निर्वाचित पदाधिकारियों को मिलापदास साहू अध्यक्ष तहसील साहू संघ कुमरदा भवभूति कलियारी उपाध्यक्ष तहसील साहू संघ कुमरदा गिरधारी लाल साहू संरक्षक हिरेन्द्र कुमार साहू डुमेश्वर साहू सचिव तहसील साहू संघ कुमरदा श्री नलेन्द्र साहू अध्यक्ष परिक्षेत्र बादराटोला श्री भुवनलाल साहू अध्यक्ष परिक्षेत्र साहू संघ साल्हे श्री चंद्रभान साहू सचिव परिक्षेत्र बादराटोला गोपाल साहू जीवनलाल साहू केशव राम साहू ओमप्रकाश साहू कामता साहू दीक्षित साहू आदि ने बधाई दिया सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारी को तहसील साहू संघ कुमरदा ने प्रमाण पत्र देकर गुलाल तिलक लगाकर स्वागत सम्मान किया और उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस मौके पर समाज के सभी वरिष्ठजन एवं सामाजिक बंधु बड़ी संख्या में मौजूद रहे नवनिर्वाचितो को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित किया।

महाप्रबंधक (वित्त) श्री यशोभद्र जैन सहित 3 विद्युत कर्मियों की विदाई

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज मुख्यालय में आयोजित समारोह में महाप्रबंधक (वित्त) श्री यशोभद्र जैन को सेवाभवन मुख्यालय डंगनिया में सेवानिवृत्ति के अवसर पर भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर पॉवर कंपनी के तीनों एम.डी. सर्वश्री एस.के.कटियार, राजेश शुक्ला, भीमसिंह कंवर, डायरेक्टर श्री आर.ए.पाठक ने श्री जैन को उज्जवल भविष्य एवं स्वस्थ जीवन की शुभकामनाएं दी।

इस अवसर प्रबंध निदेशकों ने श्री जैन के व्यक्तित्व एवं कृत्य पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वे बहुमुखी प्रतिभा के धनी हैं और विविध विषयों के जानकार होने के कारण उनके ज्ञान का लाभ कार्यालयीन कार्यों में देखने को मिलता रहा है। समारोह में

सेवानिवृत्त जी.एम. श्री जैन ने अपने कार्य अनुभव बताते हुए अपनी सफलता का श्रेय टीमवर्क को दिया तथा सेवायात्रा के दौरान अधिकारी-कर्मचारियों से मिले सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया। इसी प्रकार लोड डिस्पैच सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में भिलाई में पदस्थ अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी श्री डॉ सुभेलाल कोरटिया एवं वरिष्ठ पर्यवेक्षक (परीक्षण) श्री ललित कुमार वर्मा को सेवानिवृत्ति उपरांत देय हितलाभों के साथ उनका अभिनंदन किया गया।

आराधना मंडल का आज से कस्तूरबा में दो दिवसीय रंगारंग गरबा महोत्सव

0-नवरात्रि के दो दिनों तक बिखरेगी गरबा उत्सव की मनोहारी छटा

राजनांदगांव, शारदीय नवरात्रि पर्व के अवसर पर शहर की समाज सेवी महिलाओं का संगठन आराधना महिला मंडल द्वारा आज 30 सितंबर से लेकर 1 अक्टूबर तक कस्तूरबा भवन में दो दिवसीय रंगारंग गरबा महोत्सव का आयोजन किया गया है।

आराधना महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती प्रभात बरडिया, सचिव पुष्पा अग्रवाल व कोषाध्यक्ष श्रीमती अलका जानी ने बताया कि महिला मंडल द्वारा आज से आयोजित होने जा रहे गरबा महोत्सव की पहले दिन की मुख्य अतिथि श्रीमती अनिता सहारे (प्राचार्य-शासकीय स्कूल - बोरी) होगी, वहीं दूसरे दिन 1 अक्टूबर को आयोजित गरबा महोत्सव की मुख्य अतिथि नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती वैशाली जैन जी होगी।

नवरात्रि पर्व पर की जा रही मां आदि शक्ति की पूजा -आराधना

कस्तूरबा महिला मंडल की संरक्षिका श्रीमती शारदा तिवारी ने बताया कि नवरात्रि पर्व पर प्रायः सभी महिलाएं अपने घर-परिवार की सुख- शांति व खुशहाली के लिए मां दुर्गे भवानी की अभ्यर्थना में जुटी हुई है। भवानी नगर उनके निवास स्थान में ज्योति जंवारा स्थापित किया गया है जिसका दर्शन कर मातारानी का आशीर्वाद प्राप्त करने प्रसिद्ध समाजसेवी बल्देव सिंह भाटिया जी पधारे थे इसके अलावा अन्य गणमान्य जनो व समाज सेवी महिलाओं का सतत आगमन बना हुआ है। उन्होंने बताया कि इस प्रसंग पर कस्तूरबा में आयोजित आराधना महिला मंडल के गरबा महोत्सव में आमंत्रित मुख्य अतिथि महिला शक्तियों द्वारा मां आदिशक्ति भवानी की पूजा-आराधना की जाएगी। शहर की तमाम महिला शक्तियों को मातारानी की कृपा पाने और गरबा प्रदर्शन कर मातारानी को रिझाने के लिए उन्हें सादर आमंत्रित किया गया है।

आयोजन मंडल की श्रीमती प्रभा बरडिया ने नगर की सभी समाजसेवी संगठन की महिलाएं उक्त गरबा महोत्सव में भाग लेने कै लिए भारतीय पारंपरिक पोशाक व घाघरा - चूनरी सहित माताराती की शान में गरबा खेलने डांडिया लेते हुए आने की अपील की है। उक्ताशय की जानकारी मंडल?की अध्यक्ष श्रीमती अलका जानी द्वारा दी गई।

प्रदेश के किसानों को अब तक 8.35 लाख मीट्रिक टन रासायनिक खाद वितरित

लक्ष्य का शत प्रतिशत खाद का हो चुका वितरण

रायपुर,प्रदेश में चालू खरीफसीजन के लिए किसानों को विभिन्न प्रकार के रासायनिक उर्वरकों का वितरण जारी है। 29 सितंबर 2025 की स्थिति में किसानों को 14 लाख 59 हजार मीट्रिक टन उर्वरक का वितरण किया जा चुका हैं, जो लक्ष्य का शत प्रतिशत है।

वितरित किए गए उर्वरक में 07 लाख 22 हजार 552 मीट्रिक टन यूरिया, 02 लाख 12 हजार 901 मीट्रिक टन डीएपी, 02 लाख 18 हजार 721 मीट्रिक टन एनपीके, 67 हजार 990 मीट्रिक टन पोटाश तथा 2 लाख 36 हजार 393 मीट्रिक टन सुपर फास्फेट का वितरण किया गया हैं। गौरतलब है कि इस खरीफ सीजन में राज्य में सहकारिता एवं निजी क्षेत्र के माध्यम से किसानों को 14.62 लाख मीट्रिक टन रासायनिक खाद वितरण का लक्ष्य रखा गया था, जिसके विरूद्ध अब तक 16 लाख 71 हजार मीट्रिक टन रासायनिक खाद का भण्डारण करा लिया गया है। भण्डारण के विरूद्ध 14 लाख 59 हजार मीट्रिक टन उर्वरक का वितरण किसानों को किया जा चुका है। किसानों को सुगमता पूर्वक खाद का वितरण सोसायटी और निजी विक्रेताओं द्वारा किया जा रहा है। किसानों को किसी प्रकार से परेशानी का सामना नहीं करना पड़ रहा है। वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा खाद बीज वितरण पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

अष्टमी पर मंदिरों और दुर्गा पंडालों पर विशेष हवन-पूजन में उमड़े भक्त

मां महागौरी की पूजा अर्चना कर भक्तों ने मांगा आशीर्वाद

नवरात्र में गरबा और महाआरती में महिलाओं ने लिया भाग

रायपुर (संवाददाता)।

नवरात्रि के पावन पर्व पर आज अष्टमी के ऐतिहासिक मंदिर महामाया सहित प्राचीन मंदिरों एवं अन्य स्थानों पर हवन-पूजन किया गया। कल अनेक स्थानों पर कन्या भोजन तथा भण्डारे का आयोजन किया जाएगा। डोंगरगढ़, रतनपुर सहित चन्द्राहासिनी मंदिर चन्द्रपुर में माता का दर्शन करने वालों की आपार भीड़ लगी हुई है।

अष्टमी में आज महा गौरी की पूजा की जा रही है। माता अम्बा मंदिर में मां अम्बा की आरती एवं पूजा अर्चना की गई। यहां पर सप्तमी में परिवार की सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की जाती है, राजधानी के आकाशवाणी कालीमाता, पुरानी बस्ती महामाया, सम्बलेश्वरी माता, रावांभाठा स्थित बंजारी माता एवं आमापारा शितलामंदिर में भक्तों की भीड़ पहुंच रही है, मा को सिंदर, नारियल चढ़ाकर भक्त आशीर्वाद मांग रहे हैं। मंदिरों में ज्योत जल रही है। रानी सति मंदिर में भी मंगल पाठ हो रहा है।

नवरात्र में गरबा की धूम

राजधानी के समता कालोनी स्थित बैसथान में इस समय नवरात्र की धूम मची हुई है, गुजराती समाज द्वारा अनेक स्थानों पर गरबा का नृत्य का आयोजन किया गया है। राजधानी के अनेक स्थानों जिसमें इंडोर स्टेडियम में गरबा नृत्य किया जा रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं आ रही है। इसके अलावा शहर के बाहरी क्षेत्रों में भी आयोजन किया जा रहा है। बाल संरक्षण आयोग के अध्यक्ष वर्णिक शर्मा ने कहा कि महिलाओं का सम्मान ही भारतीय संस्कृति है, यही वजह है कि नारी सम्मानीय रही है। सावित्री जगत ने कहा कि नवरात्रि के पावन पर्व पर मां दुर्गा के नव रूपों की पूजा करना चाहिए।

डोंगरगढ़ जाने वालों का तांता

राजधानी से डोंगरगढ़ आने-जाने वालों का तांता लगा हुआ है। इस समय दुर्गामी ट्रेनों का भी स्टापेज दिया हुआ है। छत्तीसगढ़ सहित लोकल ट्रेनों में पैर रखने की जगह नहीं है। डोंगरगढ़ में पुलिस की व्यवस्था की गई है, रायपुर से पैदल जाने वाले भक्तों का भी तांता लगा हुआ है, भक्त पंचमी के दिन दर्शन कर वापस आ जाते हैं। डोंगरगढ़ में आकर्षक मेला लगा हुआ है। अष्टमी तिथि पर महा गौरी की पूजा भक्त करते हैं, इससे जन्म जन्मांतर के पाप धूल जाते हैं। मां गौरी का यह पूजन भक्तों को निर्धनता, दीनता से मुक्ति दिलाता है।

पंचमी पर दुर्गा के साथ बैठी सरस्वती, इन्द्र और गणेश कालीबाड़ी स्थित काली मंदिर में इस समय माता दुर्गा की प्रतिमा स्थापित की गई है। यहां पर दुर्गा के साथ इन्द्र, गणेश, कार्तिकेय साथ में बैठे हुए हैं। आज महिलाओं के बीच सिंदर खेला का कार्यक्रम रखा गया है, यहां प्रतिदिन शाम को विशेष पूजा की जाती है। इसके अलावा आज विवेकानंद आश्रम में भी दुर्गा अष्टमी पर विशेष पूजा पाठ हुआ तथा भक्तों को खिचड़ी का प्रसाद दिया गया।

वीआईपी रोड के कैफे-बार पर पुलिस की सख्ती, नियम उल्लंघन पर कई गिरफ्तार

रायपुर, । राजधानी रायपुर में वीआईपी रोड और उसके आसपास संचालित हो रहे होटल, कैफे और बारों पर पुलिस ने सख्त रवैया अपनाया है। देर रात नियमों की अनदेखी कर व्यवसाय चलाने वालों के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की। शनिवार रात चली छापेमारी में पुलिस टीमों ने विभिन्न प्रतिष्ठानों से जुड़े 11 संचालकों और प्रबंधकों को हिरासत में लिया।

एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई। जांच के दौरान आधी रात के बाद भी खुले पाए गए कुछ प्रतिष्ठानों पर कानून के तहत कार्रवाई की गई। पुलिस की रिपोर्ट के मुताबिक, इन संस्थानों में कई तरह के नियमों का उल्लंघन हो रहा था-जैसे कि बिना लाइसेंस शराब परोसना, तय समय सीमा के बाद कैफे संचालित करना, और नो पार्किंग एरिया में गाड़ियाँ खड़ी करवाना। इसके अलावा मंदिरहसौद, विधानसभा, माना और अभनपुर क्षेत्रों में स्थित 50 से अधिक होटल, ढाबा और फार्म हाउस के संचालकों को नोटिस जारी किया गया है।

छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज और लायंस क्लब रायपुर कैपिटल का दान महाकुंभ

रायपुर,

3 अक्टूबर 2025 को ÷दान महाकुंभ÷ - होटल उत्सव पैलेस, तेलीबांधा थाना के पास दोपहर 12:00 से 3:00 बजे तक छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज द्वारा आगामी 3 अक्टूबर 2025 को ÷दान महाकुंभ÷ का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम होटल उत्सव पैलेस, तेलीबांधा थाना के पास दोपहर 12:00 से 3:00 बजे तक आयोजित होगा। इस महाकुंभ का उद्देश्य पंजाब बाढ पीड़ितों तथा जरूरतमंद लोगों तक सहयोग पहुँचाना है।

लायंस क्लब रायपुर कैपिटल की अध्यक्ष लायन कनीज़ सिद्दीकी, सचिव लायन अमरजीत कौर ढल्ला, कोषाध्यक्ष लायन भोजराज साहू एंव समस्त सदस्यो द्वारा छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज को कपड़े और जरूरी सामान देने का प्रस्ताव दिया गया है जिसे समाज ने स्वीकार कर लिया है। छत्तीसगढ सिक्ख समाज ने राजधानीवासियों से अपील की है कि वे भी अपने घरों में रखे अतिरिक्त कपड़े,कंबल, प्रतियोगी परीक्षाओं की पुस्तके, साहित्यिक पुस्तकें, ज्ञानवर्धक पुस्तकें और उनके उपयोग में ना आने वाले हर तरह के अच्छे घरेलू सामान का दान करें और इस पुनीत कार्य मे सहभागी बनें। छत्तीसगढ़ सिख समाज के प्रदेश अध्यक्ष सुखबीर सिंह सिंघोत्रा ने दानदाताओं से अपील की है कि वे दान में दिए जाने वाले कपड़े साफधुले हुए हों, प्रेस करके पैकिंग में लाए जाएं ताकि जरूरतमंद उनका सही उपयोग कर सकें।

कृपया ध्यान रहे कि सभी तरह का घरेलू सामान जिसे दान में देना हो वह टूटा-फूटा या गंदा न हो। गंदे, फटे और खुले कपड़ों का ढेर लेकर ना आएं। दान महाकुंभ में नकद राशि का दान भी दिया जा सकता है। दान करने वाले सभी दानवीर सहयोगी संस्थाओं, महिलाओं, पुरुषों को छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज द्वारा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज के प्रदेश अध्यक्ष सुखबीर सिंह सिंघोत्रा ने कहा कि यह आयोजन केवल दान का ही नहीं बल्कि समाजिक जिम्मेदारी और मानवता की भावना को आगे बढ़ाने का एक महाअभियान है।

रेल परिवार से रायपुर मंडल के 16 सदस्य दिनांक 30/09/2025 को सेवानिवृत्त हुए

रायपुर (संवाददाता)।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर मंडल के विभिन्न विभागों में कार्यरत रेल परिवार के 16 सदस्य (13 सामान्य एवं 03 असामान्य) सितम्बर 2025 में अपनी गौरवशाली रेल सेवा पूर्ण करने के पश्चात् सेवानिवृत हुए।

इस समारोह में मंडल रेल प्रबंधक (श्री दयानंद), वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी (श्री राहुल गर्ग), सहायक कार्मिक अधिकारी (श्री महेंद्र कुमार शर्मा), सेवानिवृत्त कर्मी एवं उनके परिजन, कल्याण निरीक्षक तथा बंदोबस्त अनुभाग के कर्मचारी उपस्थित थे। मंडल के सेवानिवृत्त होने वाले 16 रेलकर्मियों में यांत्रिकी विभाग से 05, इंजीनियरिंग विभाग से 05, परिचालन विभाग से 03, विद्युत विभाग से 01 एवं वाणिज्य विभाग से 02 कर्मचारी शामिल है।

मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के सम्मलेन कक्ष में आयोजित समारोह में समस्त सेवानिवृत्त कर्मियों को विदाई दी गई। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक द्वारा सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति का समस्त भुगतान प्रमाण-पत्र दिया गया। ई-पेमेंट के माध्यम से सेवानिवृत्त कर्मचारियों की कुल राशि रुपये 4,84,37,006/- का भुगतान किया गया। पेंशन भुगतान आदेश, सेवानिवृत्त कर्मचारी का पहचान पत्र एवं कर्मचारियों एवं आथितों का पास कार्ड, सेवा मेडल दिनांक 29/09/2025 को प्रदान किया गया।

मंडल रेल प्रबंधक एवं वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी ने सभी को संबोधित करते हुए सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सेवा के दौरान अपने दायित्वो का निर्वहन अच्छे से करने पर बधाई दी तथा स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखते हुए सेवानिवृत्त जीवन को अपने परिवार एवं रिश्तेदारों के साथ आनंदपूर्वक व्यतीत करने की बात कही, साथ ही सेवानिवृत्ति के दौरान मिली राशि को सही जगह निवेश करने की सलाह दी। अंत में उन्होंने सभी को सेवानिवृति के पश्चात् सुखद भविष्य एवं अच्छे स्वास्थ्य की शुभकामनायें दी।

कार की टक्कर से बाइक सवार पिता की मौत, पुत्र घायल

रायपुर, ग्राम रसली ओव्हरब्रीज में एक तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार पिता-पुत्र को टक्कर मार दिया। जिससे पिता की मौत हो गई। वहीं बेटा घायल हो गया। मामले में आरंग पुलिस ने कार चालक के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

मिली जानकारी के अनुसार कुरूद धमतरी निवासी मृतक लीलाराम ध्रुववंशी 35 वर्ष अपने बेटे के साथ बाइक से कहीं जा रहा था, तभी ग्राम रसली ओव्हरब्रीज के पास एक तेज रफ्तार कार क्रमांक सीजी 04 पीएल 3167 के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए बाइक को टक्कर मार दिया। जिससे लीलाराम की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया। मामले में आरंग पुलिस ने कार चालक के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

स्वच्छ, सुंदर, सुनियोजित, सुव्यवस्थित, संस्कारित और सुविधापूर्ण शहर बनाने के लिए करें काम : अरुण

रायपुर

उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव की मौजूदगी में शहरों को स्वच्छ और सुंदर बनाने सोमवार को 14 नगरीय निकायों के बीच करार (रूम) हुआ। इन समझौतों में संबंधित नगरीय निकायों के महापौरों, अध्यक्षों, आयुक्तों और सीएमओ ने हस्ताक्षर किए। केन्द्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्रालय की नई पहल 'स्वच्छ जोड़ी शहर' के तहत स्वच्छ सर्वेक्षण 2024-25 में राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत छत्तीसगढ़ के सभी सात शहर एक-एक और शहर की रैंकिंग सुधारने में मदद करेंगे। इसके लिए आज समझौता ज्ञापन में हस्ताक्षर के साथ ही नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा 'स्वच्छ शहर जोड़ी संवाद' का आयोजन किया गया। प्रदेश के सभी 192 नगरीय निकाय इससे वर्चुअली जुड़े।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कार्यक्रम में आरडीएफट्रैकिंग पोर्टल, व्हाट्स-अप चैटबॉट तथा स्वच्छता लीग के हिन्दी टूलकिट को भी लॉन्च किया। भारत सरकार के नवीन अभियान ÷स्वच्छ शहर जोड़ी÷ के तहत स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के अंतर्गत स्वच्छ सर्वेक्षण में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शहर अपने राज्य के उन शहरों को जो स्वच्छ सर्वेक्षण में अपेक्षा के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं, उन्हें अपने अनुभवों का लाभ प्रदान कर स्वच्छता में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित और सहयोग करेंगे। इसके लिए आज मेन्टोर (Mentor) शहर एवं मेन्टी शहरों द्वारा एमओयू पर हस्ताक्षर करने के साथ ही आगे के रोडमैप पर विस्तृत चर्चा की गई।

नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा आज लॉन्च किए गए डिजिटल नवाचार 'आरडीएफ ट्रैकिंग पोर्टल' के द्वारा निकाय स्तर पर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुदृढ़ की जाएगी। यह पोर्टल राज्य के सभी नगरीय निकायों में स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के अंतर्गत संचालित मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी केंद्रों से उत्पन्न होने वाले रिफ्युज्ड डिराइव्ड फ्युइल की आवाजाही के डिजिटल निरीक्षण, निगरानी और विश्लेषण के लिए तैयार किया गया है। आज लॉन्च किए गए व्हाट्स-अप चैटबॉट के माध्यम से नागरिक 851-900-9090 नम्बर पर अब सीधे स्वच्छता संबंधी शिकायतें एवं समस्याएं दर्ज करा सकेंगे। स्वच्छता में नागरिकों की सहभागिता बढ़ाने की दृष्टि से विभाग द्वारा यह चैटबॉट प्रारंभ किया गया है। स्वच्छता अभियान को बढ़ावा देने, लोगों को जागरूक करने तथा साफ-सफाई के महत्व के बारे में शिक्षित करने के लिए विभाग द्वारा स्वच्छता लीग टूलकिट का हिंदी संस्करण तैयार किया गया है। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कार्यक्रम में मौजूद महापौरों, अध्यक्षों, निगम आयुक्तों, मुख्य नगर पालिका अधिकारियों तथा ऑनलाइन जुड़े नगरीय निकायों के पदाधिकारियों एवं अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि शहरों को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए छत्तीसगढ़ में अच्छा काम हो रहा है। स्वच्छ सर्वेक्षण 2024-25 में 115 नगरीय निकायों ने अपनी रैंकिंग सुधारी है। 20 हजार से कम आबादी वाले देश के 100 सबसे साफ-सुथरे शहरों में अकेले छत्तीसगढ़ के 58 शहर शामिल हैं। उन्होंने कहा कि शहरों में केवल निर्माण ही नहीं करना है, बल्कि उन्हें स्वच्छ, सुंदर, सुनियोजित, सुव्यवस्थित, संस्कारित और सुविधापूर्ण भी बनाना है। इसके लिए जनसहभागिता जरूरी है।

नगर निगम जोन 3 स्वास्थ्य विभाग ने जोन के सभी वार्डों में समस्त सार्वजनिक, सामुदायिक शौचालयों की सफाई अभियान पूर्वक करवाकर जन -जन को दिया स्वच्छ शौचालय का सकारात्मक सन्देश

स्वच्छता ही सेवा अभियान पखवाड़ा

रायपुर – छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के निर्देशानुसार नगर पालिक निगम रायपुर स्वास्थ्य विभाग और स्वच्छ भारत मिशन शाखा द्वारा सभी 10 जोनो के समस्त 70 वार्डो में दिनांक 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर 2025 तक रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे, स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष श्रीमती गायत्री सुनील चन्द्राकर, आयुक्त श्री विश्वदीप के निर्देश पर चलाये जा रहे स्वच्छता ही सेवा अभियान पखवाडा के अंतर्गत रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 3 स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा रामकी कम्पनी ग्रुप के सहयोग से जोन 3 क्षेत्र अतर्गत सभी वार्डो में समस्त सार्वजनिकध् सामुदायिक शौचालयों की सफाई अभियानपूर्वक करवाकर शौचालयों के दरवाजों में लगे दाग, डस्टबिन की धुलाई, सीलिंग के ऊपर जालों की सफाई करवाकर स्वच्छता कायम करते हुए जन - जन को स्वच्छ शौचालय का सकारात्मक स्वच्छता सन्देश जोन 3 जोन अध्यक्ष श्रीमती साधना प्रमोद साहू के नेतृत्व में नगर निगम जोन 3 जोन कमिश्नर श्रीमती प्रीति सिंह के निर्देश पर नगर निगम जोन 3 स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा सफाई मित्रों के सहयोग से ।

धम्मदेशना एवं सम्मान समारोह कार्यक्रम हुआ सफल सपन्न

संवाददाता। भारतीय बौद्ध महासभा जिला रायपुर अध्यक्ष प्रकाश रामटेके जी ने कार्यक्रम की जानकारी दी की 28/09/2025 को भारतीय बौद्ध महासभा रायपुर के तत्वावधान में देवेंद्र नगर बुध्द विहार में वर्षावास के पावन अवसर पर भंते धम्मपाल जी की धम्म देशना एवं भारतीय बौद्ध महासभा प्रदेश के नवनियुक्त पदाधिकारियों का सम्मान समारोह कार्यक्रम सफल संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता एवं धम्म प्रचारक जीतु सी एन ने अपने उदबोधन में कहा समाज दान परिमिता से विमुक्त हो रहा है पे बैक सोसाइटी के द्वारा समाज को शिक्षा, आर्थिक, सामाजिक स्तर पर विकास के लिए हम सभी को प्रयास करना होगा। भंते बुध्दपाल जी ने बौद्ध धम्म को जानने के लिए बुध्दकालिन समय तक जाने की आवश्यकता नहीं है डां. बाबासाहेब आम्बेडकर द्वारा लिखित बुध्दा एंड हिज धम्मा बुक को पढ़ना आवश्यक है हम में से अनेक लोगों ने इसका अध्ययन ही नहीं किया है। समय है न्याय देने वालो की सच्चे न्यायप्रिय हो और यह तभी संभव है जब वह बुद्धिजम को जाने। हमे दुसरो से अपेक्षा नही करनी चाहिए क्योंकि वे धम्म नहीं जानते तो वे न्याय कैसे कर सकते हैं। बुध्दम शरणम् गच्छमि का अर्थ समझे वे न तो बुध्द की शरण जाने कहते और नहीं उनकी मुर्तियों की शरण में वे कहते हैं जो ज्ञान आपको बोध हुआ है जो तर्कसंगत है उसके शरण में जाये।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

संपादकीय

भारतीय युवाओं की आकांक्षाओं पर हमला नहीं बर्दाश्त

अमेरिका के डोनाल्ड ट्रंप रोजाना कुछ न कुछ ऐसा कर रहे हैं, जिससे भारत सरकार और भारतीय निशाने पर आ जाते हैं। ट्रंप आड़ तो अपने देश के युवाओं के रोजगार बढ़ाने की ले रहे हैं, लेकिन हमला भारतीय युवाओं की आकांक्षाओं पर कर रहे हैं। अभी अमेरिका से भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत शुल्क का मामला सुलझा भी नहीं है कि ट्रंप ने एच1बी वीजा का बम गिरा दिया है। एच1बी वीजा शुल्क को सालाना 100,000 अमेरिकी डॉलर तक बढ़ा दिया है। इस कदम से अमेरिका में काम करने वाले भारतीय पेशेवरों, जिनमें बड़ी संख्या में आईटी से जुड़े हैं, पर गंभीर असर पड़ेगा। भारतीय आईटी कंपनियों के शेयरों में आई गिरावट ने असर की झांकी दिखा दी है। अमेरिका का दावा है कि एच1बी वीजा का बहुत दुरुपयोग होता है। इसकी शुरुआत उन उच्च कुशल कामगारों को अमेरिका में आने की अनुमति देने के लिए की गई थी, जो उन क्षेत्रों में काम करते हैं, जहां अमेरिकी काम नहीं करते।

भीड़ हादसों और त्रासदियों का सिलसिला कब थमेगा?

ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

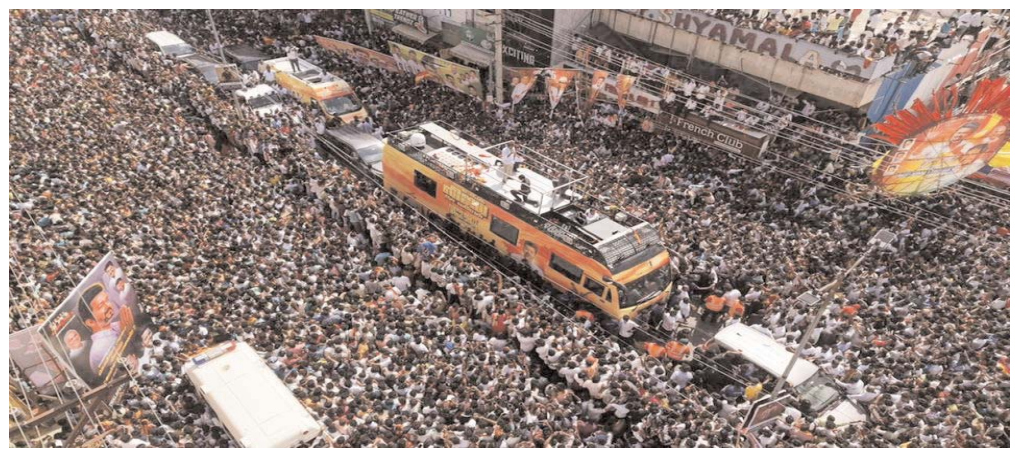

तमिलनाडु के करूर में तमिलगा वेट्री कषगम (टीवीके) प्रमुख और सुपर अभिनेता से नेता बने विजय की चुनावी रैली के दौरान मची भगदड़ दुर्भाग्यपूर्ण होने के साथ स्तब्ध करने एवं पीड़ा देने वाली भी है। विजय की रैली में एक बार फिर भीड़ की बेकाबू उन्मत्तता ने 40 मासूम जिंदगियों को निगल लिया। सवाल उठता है कि आखिर कब तक ऐसी त्रासदियां हमारे समाज और शासन की नाकामी को उजागर करती रहेंगी? क्यों हमारी व्यवस्थाएं भीड़ को नियंत्रित करने में बार-बार विफल होती हैं और क्यों राजनीतिक दल, धार्मिक आयोजक, सिनेमा स्टार या अन्य तथाकथित 'सेलिब्रिटी' भीड़ के जमावड़े को सफलता का पैमाना मानकर उसे उकसाते हैं? भगदड़ में लोगों की जो दुखद मृत्यु हुई, यह राज्य एवं टीवीके प्रायोजित एवं प्रोत्साहित हत्या है। पुलिस का बंदोबस्त कहां था? चीख, पुकार और दर्द और अभिनेता से नेता बने विजय को देखने की दीवानगी एक ऐसा दर्दनाक एवं खौफनाक वाकया है जो सुदीर्घ काल तक पीड़ित और परेशान करेगा। प्रशासन की लापरवाही, अत्यधिक भीड़ और अव्यवस्थित प्रबंधन ने इस त्रासदी को जन्म दिया। यह घटना कोई अपवाद नहीं है, बल्कि हाल के वर्षों में दुनिया भर में सामने आई ऐसी घटनाओं की कड़ी का नया खौफनाक एवं दर्दनाक मामला है, जहाँ भीड़ नियंत्रण में चूक एवं प्रशासन, सत्ता एवं राजनीतिक दलों का जनता के प्रति उदासीनता का गंभीर परिणाम एवं त्रासदी का ज्वलंत उदाहरण है।

अभिनेता विजय की चमक में प्रशंसकों की चीखें एवं आहें का होना और उसे नजरअंदाज करना, अमानवीयता की चरम पराकाष्ठा है। दुर्घटना होने एवं आम लोगों की मौतें दुखद एवं शर्मनाक है। इस राज्य में दशकों से विशाल राजनीतिक सभाओं की संस्कृति रही है, जिसे फिल्म और राजनीति के मेल ने पोषित किया है। सीएन अन्नादुरई, एमजी रामचंद्रन और जयललिता, सभी मुख्यमंत्री बनने से पहले फिल्मी सितारे थे। उनकी रैलियों में अक्सर लाखों लोग आते थे। स्टार पावर और राजनीति का मेल अधिकारियों के लिए भीड़ को नियंत्रित रखना मुश्किल बना देता है। तमिलनाडु में अभिनेता से राजनेता बने विजय की पार्टी टीवीके अभी प्रारंभिक अवस्था में है, लेकिन इसकी रैलियों में प्रशंसकों की अहमियत को कमतर आंकने के इस दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम ने न केवल राजनेताओं को बल्कि सिने स्टार को भी दागी किया है। घटना ने एक बार फिर हमारे अवैज्ञानिक व लाठी भांजने वाले भीड़ प्रबंधन की ही पोल खोली है।

करीब तीन महीने पहले जून में बंगलूरू में आरसीबी की आईपीएल जीत के जश्न के दौरान मची भगदड़ में भी करीब एक दर्जन लोग मारे गए थे। हालांकि, शनिवार रात करूर में उमड़ी भीड़ किसी राजनीति जमावड़े से अधिक अपने सुपरस्टार को करीब से देखने के लिए बेताब प्रशंसकों की थी। इसी उन्माद में, जब एक पेड़ की डाली पर चढ़े कुछ समर्थक अभिनेता की प्रचार गाड़ी के पीछे खड़े लोगों पर गिर पड़े, तो दहशत फैल गई और रैली एक हादसे में बदल गई। इसी में करीब 40 लोगों के मरने और कइयों के घायल होने की खबरें हैं। तमिलनाडु में, 2026 में चुनाव होने हैं और टीवीके बेशक मैदान में उतरने की घोषणा कर चुकी हो, लेकिन दुर्घटना के बाद विजय जिस तरह से जल्दबाजी में चार्टर्ड फ्लाइट से चेन्नई चले गए, उससे यही साबित होता है कि अभी उन्हें राजनीति के कई सबक एवं राजनीतिक मूल्यों को सीखने हैं। क्योंकि आखिर वह अपनी जिम्मेदारी से कैसे बच सकते हैं? टीवीके ने तीस हजार लोगों की अनुमति ली थी और इसी हिसाब से पुलिस की तैनाती भी हुई थी। लेकिन शाम होते-होते इसके दोगुने लोग अभिनेता की एक झलक पाने को मौजूद थे।

निश्चित ही भीड़ कोई संगठित चेतन शक्ति नहीं होती, यह एक उन्मादी प्रवाह है जिसमें व्यक्ति की सोच, विवेक और संवेदना विलीन हो जाती है। भीड़ के सामने व्यक्ति का आत्मनियंत्रण टूट जाता है और वह हिंसक, अनुशासनहीन और खतरनाक रूप ले लेती है। यही कारण है कि क्रिकेट मैच से लेकर राजनीतिक रैली, धार्मिक आयोजन और फिल्मी सितारों की झलक तक, हर जगह भीड़ का जुनून कई बार मौत का तांडव बन जाता है। इतिहास गवाह है कि भीड़ की हिंसा ने न केवल जानें ली हैं, बल्कि सामाजिक ताने-बाने को भी चोट पहुंचाई है। 1984 के सिख विरोधी दंगे, 1992 का बाबरी मस्जिद प्रकरण, गुजरात हिंसा, धार्मिक जुलूसों में भगदड़ या तीर्थयात्राओं में दबकर मरने वाले सैकड़ों लोग-इन सबकी जड़ में 'भीड़' है। भीड़ के भीतर छिपा हुआ सामूहिक उन्माद किसी भी क्षण हिंसा, लूट और तबाही में बदल जाता है।

भारत में भीड़ से जुड़े हादसे अनेक आम लोगों के जीवन का ग्रास बनते रहे हैं। धार्मिक आयोजनों हो या खेल प्रतियोगिता, राजनीतिक रैली हो या सांस्कृतिक उत्सव लाखों लोगों को आकर्षित करते हैं, जहाँ भीड़ प्रबंधन की मामूली चूक भयावह त्रासदी में बदलते हुए देखी जाती रही है। उदाहरण के लिये, वर्ष 2022 में दक्षिण कोरिया के इटावन हैलोवीन समारोह में अत्यधिक भीड़ के कारण 150 से अधिक लोगों की जान चली गई थी। इसी तरह, वर्ष 2015 में मक्का में हज के दौरान मची भगदड़ में सैकड़ों लोगों की मौत हो गई थी। वर्ष 2013 में मध्य प्रदेश के रत्नागढ़ मंदिर में ढाँचागत कमियों से प्रेरित भगदड़ के कारण 115 लोगों की मौत हो गई थी। हालही में महाकुंभ के दौरान नई दिल्ली रेल्वे स्टेशन एवं प्रयागराज में हुए हादसे एवं हरिद्वार के प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर में बिजली का तार टूटने और करंट फैलने की एक अफवाह ने कई जानें ले लीं, जिसने धार्मिक स्थलों पर भीड़ प्रबंधन की गंभीर खामियों को उजागर कर दिया है। आग, भूकंप, या आतंकी हमलों जैसी आपातकालीन स्थितियाँ में भी भीड़ प्रबंधन की पोल खुलती रही है। आखिर दुनिया के सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश में हम भीड़ प्रबंधन को लेकर इतने उदासीन क्यों है? बड़े आयोजनों-भीड़ के आयोजनों में भीड़ बाधाओं को दूर करने के लिए, भीड़ प्रबंधन के लिए बुनियादी ढांचे में सुधार, सुरक्षाकर्मियों को पर्याप्त प्रशिक्षण प्रदान करना, जन जागरूकता बढ़ाना और आधुनिक तकनीकों का उपयोग करना अब नितान्त आवश्यक है।

विजय और उनके समर्थक कुछ भी कहें, वे अपनी जवाबदेही से बच नहीं सकते। इसलिए और नहीं बच सकते, क्योंकि उन्होंने अपनी रैली में आने वाले लोगों की संख्या के बारे में भी कोई सही जानकारी नहीं दी थी। बहुत संभव है कि इसके चलते पुलिस ने भी पर्याप्त व्यवस्था न की हो। तमिलनाडु में सेलेब्रिटी स्टेटस वाले लोगों के प्रति दीवानगी कुछ ज्यादा ही है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि हर त्रासदी के बाद सरकारें और पुलिस प्रशासन सिर्फ 'जांच समिति' और 'मुआवजा' देने की घोषणा करके अपने कर्तव्य से मुक्त हो जाते हैं। न तो कोई ठोस नीतियां बनती हैं, न ही आयोजकों पर कठोर जिम्मेदारी तय की जाती है। आयोजकों की लापरवाही और प्रशासन की ढिलाई इन घटनाओं की सबसे बड़ी वजह हैं। यदि समय रहते सुरक्षा प्रबंधन और भीड़ नियंत्रण की सख्त व्यवस्था हो, तो ऐसी भयावह स्थितियों को टाला जा सकता है। भीड़ की त्रासदी केवल प्रशासनिक विफलता का परिणाम नहीं है, बल्कि यह हमारे सामाजिक मनोविज्ञान का भी प्रतिबिंब है। आमजन की 'हीरो-दीवानगी' और अंधभक्ति किसी भी भीड़ को अनियंत्रित बना देती है। जब तक नागरिक चेतना में संयम और विवेक नहीं आएगा, तब तक भीड़ केवल संख्या का खेल बनी रहेगी और उसका परिणाम विनाशकारी होता रहेगा। अब वक्त आ गया है कि सरकारें भीड़ प्रबंधन को 'राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंडा' में शामिल करें। राजनीतिक दलों, धार्मिक आयोजकों और सिनेमा जगत को भीड़ जुटाने की प्रवृत्ति पर पुनर्विचार करना होगा। यह ठीक है कि करूर की घटना पर सभी ने शोक संवेदना व्यक्त की, लेकिन यदि इस घटना से कोई ठोस सबक नहीं सीखा जाता तो इन संवेदनाओं का कोई मूल्य नहीं, बल्कि ये खोखली दिखावा मात्र हैं। इसलिए यह जरूरी है कि भीड़ की हिंसा और त्रासदी को केवल 'संयोग' न माना जाए, बल्कि उसे रोकने के लिए गंभीर कदम उठाए जाएं। अन्यथा यह सिलसिला न केवल जारी रहेगा, बल्कि हर बार अधिक भयावह होता जाएगा। आखिर इतने लोगों की मौत की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए और दोषी लोगों को कड़ा दण्ड दिया जाना चाहिए। **यह निजी विचार है।**

एक अक्टूबर अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस

बेकार, बेकाम नहीं हैं हमारे वृद्धजन

प्रो. मनोज कुमार

सक्सेना जी पीएचई विभाग में चीफइंजीनियर के पद से रिटायर हुए हैं. किसी समय उनकी तूती बोला करती थी लेकिन उम्र के आखिरी पड़ाव में ना केवल वे अकेले हैं बल्कि वृद्धाश्रम का एक कोना उनका बसेरा बन गया है. कभी करोड़ों का मामला सुलटाने वाले अग्रवाल दंपति की कहानी भी यही है. गणित और अंग्रेजी के प्रोफेसर रहे द्विवेदी दंपति भी उम्र के आखिरी पड़ाव पर वृद्धाश्रम में रह रहे हैं. ये वे लोग हैं जिनकी काबिलियत और अनुभवों से समाज रोशन होता था. उनके अपने बच्चे आज किसी मुकम्मल मुकाम पर हैं तो उनकी शागिर्दी का ही सहारा था. जिन्हें आप माता-पिता कहते हैं, वे शागिर्द आज वृद्धाश्रम में बिसूर रहे हैं. निराश और हताश भी हैं. ये दो चार लोग नहीं बल्कि वृद्धजनों की पूरी टोली है. आपस में बतिया लेते हैं और वृद्धाश्रम के दरवाजे पर टकटकी लगाये देखते हैं कि कहीं बहू-बेटा तो लेने नहीं आए? पोता-पोती की सूरत याद कर हौले से मुस्करा देते हैं लेकिन गोद में उठाकर लाड़ ना कर पाने की हसरत उनके चेहरे पर मायूसी बनकर उभर आती है. यह कहानी घर-घर की होती जा रही है. थोड़ा पैसा, थोड़ा रसूख कमाने के साथ ही वृद्धजन बोझ बनने लगते हैं. और जल्द ही तलाश कर लेते हैं उनके लिए वृद्धाश्रम का कोई कोना. पहले पहल आना-जाना भी होता है लेकिन धीरे-धीरे वह भी भुला दिया जाता है. संस्कारों में रची-बसी भारतीय संस्कृति का यह दुर्भाग्यपूर्ण अध्याय है. इन पर लिखते हुए मैं भी एक गलती कर रहा हूँ क्यों एक दिन वृद्धजन दिवस पर लिख रहा हूँ. क्यों साल में बार-बार इस बात का स्मरण नहीं कराता हूँ. सच है लेकिन यह दिन इसलिए चुना कि आज अंतरराष्ट्रीय दिवस वृद्धजन के बहाने लोग पढ़ तो लेंगे. खास बात यह है कि हमारे वृद्धजन लिए नहीं बल्कि बाजार का दिन है. उम्र भर लतियाते वृद्धजनों का ऐसा सम्मान किया जाएगा कि लगेगा कि कुछ हुआ ही नहीं. इसी दुर्भाग्यपूर्ण अध्याय की चर्चा कर रहा हूँ.

क्या ही हैरानी की बात है कि जिनसे हम रौशन हैं, जिनसे हमारा घर रौशन है, उनके लिए हमने एक दिन तय कर दिया है और नाम दे दिया है वृद्धजन दिवस. और इसका फलक बढ़ाकर अंतरराष्ट्रीय कर दिया है. यूरोप की मानसिकता में वृद्धजन के लिए यह सौफीसदी मुफीद हो सकता है लेकिन भारतीय सनातनी संस्कृति में वृद्धजन बेकार और बेकाम नहीं हैं लेकिन दुर्भाग्य से हमने भी यूरोपियन संस्कृति का अंधानुकरण कर उन्हें बेकार और बेकाम मान लिया है. उम्र के आखिरी पड़ाव में ठहरे वृद्धजनों के पास अनुभव है, कौशल है और है दुनियादारी की वह समझ लेकिन वे निहायत अकेले होकर वृद्धाश्रम में अपना समय गुजार रहे हैं. कितनी विडम्बना है कि एक तरफ हम सनातनी होने और संस्कार की दुहाई देते नहीं थकते और दूसरी ओर वृद्धजन की उपेक्षा और तिरस्कृत करने में पीछे नहीं हटते. आखिर क्या मजबूरी हो गई कि जिनकी छाँह में पलकर हम बढ़े हुए, वही हमारे लिए बोझ बन गए? क्यों हम उनके अनुभवों का लाभ लेकर जीवन को संवार नहीं पा रहे हैं? क्या कारण है कि उन्हें साथ रखते हुए कथित प्रायवेसी में बाधा आ रही है? सवाल अनेक हैं लेकिन सवालों के बीच अपने दुख और अहसास के बीच घुटते-घबराते वृद्धजनों की सुध कौन लेगा? क्या वृद्धाश्रम ही अंतिम विकल्प है. वृद्धजनों को घर से बाहर निकाल देना, उनके साथ शारीरिक हिंसा करना और उन्हें अपमानित करने की खबरें अब रोजमर्रा की हो गई हैं. संवेदहीन होते समाज में वृद्धजन दिवस बाजार के लिए एक दिन है. वृद्धजनों को उत्पाद बना दिया जाएगा.

यह निजी विचार है।

भारत का डिजिटल तकनीक नहीं बदलाव का दशक

राव इंद्रजीत सिंह

पिछले एक दशक में भारत में एक ऐसी डिजिटल क्रांति आई है जो असाधारण है। यह यात्रा आकस्मिक नहीं थी। इसे भारत सरकार द्वारा ठोस नीति निर्धारण, अंतरमंत्रालयी सहयोग और समावेशी विकास के प्रति प्रतिबद्धता के माध्यम से सावधानीपूर्वक प्रबंधित किया गया है। जब संबद्ध मंत्रालयों जैसे इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई), वित्त मंत्रालय (एमओएफ), कृषि मंत्रालय और अन्य मंत्रालयों ने बड़े पैमाने पर जमीनी स्तर पर परियोजनाओं को पूरा किया तो दूसरी ओर नीति आयोग ने अभिसरण को बढ़ावा देकर, विचारों को नेतृत्व देकर और स्केलेबल, नागरिक-प्रमुखता वाले नवाचारों की ओर पण्राली को प्रेरित कर नीति इंजन का काम किया है। जन धन-आधार-मोबाइल (जेएएम) ट्रिनिटी की शुरुआत के साथ इसमें एक महत्त्वपूर्ण मोड़ आया है। लगभग 55 करोड़ बैंक खातों के खोलने के साथ-साथ करोड़ों लोगों, जो पहले वित्तीय पण्राली की पहुंच से बाहर थे, को उन्हें अकस्मात बैंकिंग व्यवस्था और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण तक पहुंच प्राप्त हुई है।

ओडिशा के एक छोटे से गांव में पहली बार बिना बिचौलिए की सहायता से एक सिंगल मदर को कल्याणकारी लाभ सीधे उनके खाते में प्राप्त करने में सक्षम बनाया गया। उनकी कहानी भारत भर के करोड़ों लोगों की कहानी बन गई है। यह वृहद वित्तीय समावेशन आंदोलन वित्त मंत्रालय के समर्थन और आधार तथा मोबाइल पैठ की सक्षम सहायता से अगला कदमः एक वित्तीय-प्रौद्योगिकी विस्फोट का आधार बना।

भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम द्वारा भारतीय रिजर्व बैंक के मार्गदर्शन में विकसित एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) ने भारतीयों के लेन-देन के तरीके में क्रांति ला दी है। किसी मित्र को पैसे भेजने के एक अनूठे तरीके के रूप में शुरू किया गया यह तरीका शीघ्र ही छोटे व्यवसायों, सब्जी विक्रेताओं और गिग वर्कर्स की जीवनरेखा बन गया। आज भारत में प्रति माह 17 बिलियन से अधिक यूपीआई के माध्यम से लेन देन होते हैं। इसी दौरान, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अंतर्गत भारत की डिजिटल अवसंरचना के मुख्य तंत्र को निरंतरता से तैयार किया जा रहा है। भारतनेट जैसी परियोजनाओं ने दो लाख से अधिक ग्राम पंचायतों तक ब्रॉडबैंड पहुंचाया है, जबकि इंडिया स्टैक ने कागज-रहित, उपस्थिति-रहित और नकदी-रहित सेवाओं का ढांचा तैयार किया।

डिजी-लॉकर ने छात्रों को अपने प्रमाणपत्र डिजिटल रूप में रखने, और ई-हस्ताक्षर ने महत्त्वपूर्ण दस्तावेज के लिए दूरस्थ प्रमाणीकरण प्रदान किया। डिजी-यात्रा एक अग्रणी पहल है जो चेहरे के पहचान की तकनीक का उपयोग करके निर्बाध, कागज-रहित और संपर्क-रहित हवाई यात्रा को संभव बनाती है। यह भारतीय विमानन के भविष्य की तैयारी और यात्री-अनुकूल बनाने की दिशा में बड़ा कदम है। ये मात्र ऐप ही नहीं हैं- एक डिजिटल गणराज्य की आधारशिला हैं। डिजिटल गवर्नेंस ने भी गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जेम) के शुभारंभ के साथ बड़ी उछाल लगाई है। सार्वजनिक खरीद में पारदर्शिता और दक्षता लाने के लिए डिजाइन किए गए, जेमने 1.6 लाख से अधिक सरकारी क्रेताओं को 22 लाख से अधिक विक्रेताओं से जोड़ा है-जिसमें महिला उद्यमियों और एमएसएमई की बढ़ती संख्या शामिल है। राजस्थान के एक छोटे हस्तशिल्प विक्रेता के लिए, इसका अभिप्राय सरकारी संविदाओं तक पहुंच प्रदान करना था जो पहले अकल्पनीय था।

कृषि क्षेत्र, जिसे प्रायः परिवर्तन के प्रतिरोधी के रूप में देखा जाता है, ने भी डिजिटल साधनों को अपनाना शुरू कर दिया है। पीएम-किसान जैसे प्लेटफॉर्म ने सुनिश्चित किया कि आय सहायता किसानों तक सीधे पहुंचे। ई-नैम ने राज्यों की कृषि मंडियों को जोड़ा, जिससे किसानों को अपनी उपज के बेहतर दाम मिल सके। डिजिटल मृदा स्वास्थ्य कार्ड ने उन्हें समझने में मदद की कि उन्हें कौन सी फसल उगानी चाहिए और अपनी भूमि में कौन से पोषक तत्वों का प्रयोग करना चाहिए। झारखंड के ग्रामीण-क्षेत्रों में स्थानीय उद्यमियों द्वारा संचालित सीएससी (कॉमन सर्विस सेंटर) उनके लिए एक प्रकार से डिजिटल जीवन रेखा बन गए जो टेली-मेडिसिन से लेकर बैंकिंग और कौशल विकास कार्यक्रमों तक हर पेशकश करते हैं।

महामारी भारत के डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के लिए कठिन परीक्षा थी जिसमें हम बखूबी सफल हुए। स्कूल बंद होने के बावजूद, दीक्षा और स्वयं जैसे प्लेटफॉर्मों ने सुनिश्चित किया कि पढ़ाई अनवरत चलती रहे। लद्दाख और केरल के छात्र भी भारत भर के शिक्षकों द्वारा तैयार की गई शिक्षण सामग्री का प्रयोग कर सकते हैं। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन ने अपना आकार लिया जिससे नागरिकों को एक डिजिटल आईडी के माध्यम से अपने स्वास्थ्य रिकॉर्ड तक पहुंच प्राप्त हुई और अस्पतालों एवं राज्यों में सहज वातावरण बन सका। वाणिज्य में भी एक शांत क्रांति देखी गई। डीपीआईआईटी की पहल, ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) अब छोटी किराना दुकानों और हथकरघा बुनकरों को बड़ी ई-कामर्स कंपनियों से प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम बना रही है।

नीति आयोग की अभिसरण भूमिका-मंत्रालयों, राज्यों, स्टार्टअप्स और उद्योग जगत को एकजुट करना है-जो सुनिश्चित करता है कि डिजिटल सार्वजनिक वस्तुएं अंतर-संचालनीय, समावेशी और स्केलेबल हों। जैसे-जैसे भारत अपने 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है, नये आयाम उभर रहेहैं : एआई-सक्षम शासन, विकेंद्रीकृत वाणिज्य और बहुभाषी, मोबाइल-प्रथम डिजिटल सेवाएं जो देश के सबसे गरीब व्यक्ति तक पहुंच सकती हैं। लेकिन यह सिर्फ एक सरकारी सफलता से जुड़ी कहानी नहीं है। यह एक राष्ट्र की कहानी है-करोड़ों नागरिकों की कहानी है, जिन्होंने बदलाव को अपनाया, उद्यमियों की कहानी है, जो डिजिटल रेल पर आगे बढ़े, और स्थानीय लीडरों की कहानी है, जिन्होंने सेवा वितरण की कल्पना की। भारत का डिजिटल दशक सिर्फ तकनीक का नहीं है-यह बदलाव का दशक भी है, और यह कहानी का अभी प्रारंभिक चरण ही है।

(लेखक सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) एवं संस्कृति मंत्रालय में राज्य मंत्री हैं। लेख में व्यक्त विचार निजी हैं)

यह निजी विचार है।

वैश्विक व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती दक्षिण एशियाई दरारें

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

दक्षिण एशिया आज जिस दौर से गुजर रहा है, वह केवल आंतरिक अस्थिरता की कथा नहीं है, बल्कि वैश्विक राजनीति की गहरी छायाओं से आच्छादित परिदृश्य भी है।

यह भू-भाग, जो कभी प्राचीन सभ्यताओं, सांस्कृतिक बहुलता और समृद्ध परंपराओं का उद्गम स्थल रहा, आज अंतरराष्ट्रीय शक्तियों के हितों की प्रयोगशाला और प्रतिस्पर्धा का अखाड़ा बन गया है। श्रीलंका से लेकर बांग्लादेश, नेपाल और म्यांमार तक, और पाकिस्तान से लेकर अफगानिस्तान तक, लगभग सभी देशों में उथल-पुथल, आंदोलनों और सत्ता संघर्ष का आलम है। इन घटनाओं ने क्षेत्र की स्थिरता को संकट में डाल दिया है।

श्रीलंका इसका सबसे ताजा उदाहरण है। 2022 में जब इस द्वीप राष्ट्र में आर्थिक संकट ने भयावह रूप लिया तब जनता ने राजपक्षे परिवार की सत्ता को उखाड़ फेंका। विदेशी कर्ज का बोझ, भ्रष्टाचार और राजनीतिक कुप्रबंधन ने आम लोगों को सड़कों पर उतरने को मजबूर कर दिया। यह आंदोलन सरकार-विरोधी आक्रोश भर नहीं था, बल्कि संकेत था कि जनता की आकांक्षाओं की उपेक्षा की जाएगी तो सत्ताधारी वर्ग के लिए कुर्सी बचाना असंभव होगा। कुछ ही समय बाद बांग्लादेश में भी आक्रोश की लपटें उठीं। शेख हसीना की सरकार, जिसने विकास और आर्थिक प्रगति के नाम पर स्थायित्व कायम किया था, अचानक विपक्ष और जनता के निशाने पर आ गई। बेरोजगारी, बढ़ती महंगाई और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर प्रश्न चिह्न ने आंदोलन को जन्म दिया। नेपाल की स्थिति और भी जटिल है। नेपाल का भूगोल, रणनीतिक स्थिति और भारत-चीन के बीच उसकी अहमियत ने इसे बाहरी हस्तक्षेप का सहज शिकार बना दिया है। वहां की राजनीति में लगातार बदलते गठबंधन, नेतृत्व की अस्थिरता और जनता की आकांक्षाओं की उपेक्षा ने असंतोष को हवा दी है।

राजतंत्र समर्थक और कट्टरपंथी ताकतें असंतोष को भुनाने में जुटी हैं, जिससे नेपाल की सामाजिक संरचना में नई दरारें पड़ रही हैं। इसी तरह म्यांमार, जहां सेना ने लोकतांत्रिक सरकार को सत्ता से बेदखल कर दिया, वर्षों से गृह युद्ध और विद्रोह की चपेट में है। लाखों लोग विस्थापित हुए हैं। यहां विदेशी शक्तियों की भूमिका और भी स्पष्ट दिखती है। अमेरिका और पश्चिमी देशों का दबाव, चीन की गहरी आर्थिक पैठ और क्षेत्रीय शक्ति-संतुलन की लड़ाई ने म्यांमार को अस्थिरता की ओर धकेल दिया है। पाकिस्तान की स्थिति भी किसी से छिपी नहीं है। यहां एक ओर सेना और न्यायपालिका की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं, वहीं लोकतांत्रिक ढांचा कमजोर होता जा रहा है। विदेशी कर्ज पर निर्भरता, मुद्रास्फीति और बढ़ते आतंकी हमलों ने जनजीवन को असुरक्षित बना दिया है।

दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया दो महाशक्तियों-अमेरिका और चीन-की प्रतिस्पर्धा का केंद्र बन चुका है। एक ओर चीन 'बेल्ट एंड रोड' जैसी महत्त्वाकांक्षी योजनाओं के माध्यम से पूरे क्षेत्र को अपनी आर्थिक-रणनीतिक पकड़ में लेना चाहता है, वहीं अमेरिका और उसके सहयोगी भारत, जापान व ऑस्ट्रेलिया के साथ 'क्वाड' जैसी साझेदारियों के जरिए इस प्रभाव को संतुलित करने की कोशिश कर रहे हैं। नतीजा यह है कि दक्षिण एशियाई देशों की आंतरिक राजनीति अब उनकी अपनी नहीं रह गई है। हर आंदोलन, हर सत्ता परिवर्तन और हर अस्थिरता के पीछे विदेशी छायाएं मंडराती दिखती हैं। यह क्षेत्र केवल भौगोलिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि रणनीतिक रूप से भी अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। हिन्द महासागर, मलक्का जलडमरूमध्य और हिमालयी गलियारों पर पकड़ बनाने की जद्दोजेहद ने बाहरी शक्तियों को यहां सक्रिय कर दिया है।

भारत, जो स्वयं इस क्षेत्र का सबसे बड़ा लोकतंत्र और उभरती शक्ति है, के लिए यह स्थिति दोहरी चुनौती लेकर आती है। एक ओर उसे अपने पड़ोस की अस्थिरता का सामना करना है, तो दूसरी ओर बाहरी शक्तियों के बढ़ते प्रभाव को भी संतुलित करना है। दक्षिण एशियाई देशों की समस्याओं का सबसे बड़ा कारण यह है कि शासक वर्ग ने जनता की अपेक्षाओं और आकांक्षाओं को प्राथमिकता नहीं दी। लोकतंत्र चुनावों तक सीमित रह गया, जबकि शासन में पारदर्शिता, जवाबदेही और सुशासन का अभाव रहा। आर्थिक विकास का लाभ कुछ वगरे तक सीमित रहा, जिससे सामाजिक विषमता बढ़ी। यही असंतोष जब फूटता है, तो आंदोलन का रूप ले लेता है और जब यह आंदोलन विदेशी हितों से टकराता है, तो बाहरी शक्तियां अपने-अपने हित साधने के लिए उसे हवा देने से नहीं चूकतीं।

दक्षिण एशियाई दरारें केवल क्षेत्रीय संकट नहीं हैं, बल्कि वैश्विक व्यवस्था के लिए भी गंभीर चुनौती हैं। यदि यह क्षेत्र अस्थिर रहता है, तो न केवल एशिया, बल्कि पूरी दुनिया में शांति और विकास प्रभावित होंगे। इसलिए आवश्यक है कि विदेशी शक्तियां यहां अपने-अपने हित साधने की बजाय क्षेत्रीय स्थिरता और जनता के कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दें।

(लेख में विचार निजी हैं)

भारत के फार्मा निर्यात 30 बिलियन डॉलर के पार जाने की संभावना

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा, भारत का घरेलू फार्मा बाजार 60 अरब डॉलर का है, लेकिन 2030 तक इसके दोगुना से अधिक यानी 130 अरब डॉलर होने की आशा है: डॉ. जितेंद्र सिंह

मंत्री महोदय ने कहा, भारत में मेड टेक क्षेत्र की वार्षिक वृद्धि 15 से 20 प्रतिशत है

डीबीटी और उत्तर प्रदेश सरकार ने बायोटेक, फ र्मा और मेडटेक नवाचार को बढ़ावा देने के लिए समझौता किया

भारत का फार्मा निर्यात 30 अरब डॉलर के करीब, 2030 तक तेजी से वृद्धि की आशा: डॉ. जितेंद्र सिंह

पीआईबी। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा प्रधानमंत्री कार्यालय, परमाणु ऊर्जा विभाग, अंतरिक्ष विभाग, कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन विभाग में राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने आज यहां कहा कि भारत का फार्मा निर्यात जो अभी लगभग 27.8 बिलियन डॉलर का है, वह इस वर्ष के अंत तक 30 बिलियन डॉलर को पार कर जाने की संभावना है।

इस बीच, मंत्री महोदय ने यह भी बताया कि भारत का घरेलू फ ार्मा बाजार 60 बिलियन डॉलर का है, लेकिन 2030 तक इसके दोगुना से अधिक यानि 130 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की आशा है।

मंत्री महोदय ने भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) और उत्तर प्रदेश सरकार के बीच एक आधिकारिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर के बाद यह बात कही। डीबीटी की जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (बीआईआरएसी) और उत्तर प्रदेश प्रमोट फार्मा काउंसिल (यूपीपीपीसी) के माध्यम से संपन्न यह समझौता फार्मा, बायोटेक और मेडटेक क्षेत्रों में नवाचार, उद्यमिता और निवेश को बढ़ावा देने के लिए केंद्र-राज्य साझेदारी के मॉडल का हिस्सा है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि वर्तमान में देश में चिकित्सा उपकरण निर्माताओं की संख्या लगभग 800 है और भारत में चिकित्सा प्रौद्योगिकी क्षेत्र की वार्षिक वृद्धि दर 15 से 20 प्रतिशत है।

इस अवसर पर अधिकारियों ने कहा कि यह सहयोग अनुसंधान और नवाचार को आगे बढ़ाने, स्टार्टअप के लिए मजबूत और अनुकूल परिवेश बनाने, कौशल विकास और ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ाने, एसएमई और एमएसएमई के साथ घनिष्ठ उद्योग संबंधों को बढ़ावा देने तथा इस क्षेत्र में अधिक निवेश को गति देने पर केंद्रित होगा।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि भारत में जैव प्रौद्योगिकी के अनुकूल परिवेश का तेज़ी से विकास हुआ है। 2014 में इस क्षेत्र में लगभग 50 स्टार्टअप थे जिनकी संख्या बढ़कर आज 11,000 से अधिक हो गई है। यह वृद्धि देश के आर्थिक और स्वास्थ्य सेवा लक्ष्यों को आगे बढ़ाने में इस क्षेत्र की क्षमता को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि भारत अब टीकों के वैश्विक आपूर्तिकर्ता के रूप में पहचाना जाता है। विश्व के 60 प्रतिशत से अधिक टीके यहीं बनते हैं और 200 से ज़्यादा देश टीकों की भारत में बनी खुराकें प्राप्त करते हैं।

मंत्री महोदय ने नीतिगत समर्थन और समग्र सरकारी दृष्टिकोण को इस वृद्धि का श्रेय दिया, जिसके अंतर्गत जैव प्रौद्योगिकी विभाग और उसकी एजेंसियां राज्यों के साथ सहयोग बढ़ाने के लिए संपर्क कर रही हैं। उन्होंने कहा कि नए डीबीटी-यूपी समझौते जैसी साझेदारियां विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने में सहायक होंगी और ÷भारत में निर्मित, विश्व के लिए निर्मित÷ किफायती स्वास्थ्य सेवा समाधान प्रदान करने वाले देश के रूप में भारत की स्थिति को मज़बूत करेंगी।

जैव प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव और बीआईआरएसी के अध्यक्ष डॉ. राजेश एस. गोखले ने कहा कि उत्तर प्रदेश के साथ समझौता ÷नवाचार के नए रास्ते खोलेगा और किफायती तकनीकों को बढ़ावा देगा।÷ राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों ने लखनऊ में बायोटेक पार्क, ग्रेटर नोएडा में मेडिकल डिवाइस पार्क और ललितपुर में बल्क ड्रग एंड फार्मा पार्क जैसी परियोजनाओं पर बल देते हुए राज्य को फार्मा, बायोटेक और मेडटेक के केंद्र के रूप में स्थापित करने की अपनी प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

भारत की जैव अर्थव्यवस्था पहले ही लगभग 165 बिलियन अमेरिकी डॉलर की है, जबकि सरकार डीबीटी-यूपी सहयोग जैसी केंद्र-राज्य साझेदारियों को सुलभ बायोफार्मा और मेडटेक समाधानों के लिए वैश्विक केंद्र के रूप में भारत के उत्थान में तीव्रता लाने के एक तरीके के रूप में देखती है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश कुमार अवस्थी ने इस समारोह में कहा कि राज्य खुद को फार्मा, बायोटेक और मेडटेक के केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि डीबीटी-बीआईआरएसी के सहयोग से लखनऊ में बायोटेक पार्क, ग्रेटर नोएडा में मेडिकल डिवाइस पार्क और ललितपुर में बल्क ड्रग एंड फार्मा पार्क जैसी पहलों का विस्तार किया जाएगा ताकि स्टार्टअप्स को विकसित किया जा सके और स्वास्थ्य सेवा देने की प्रक्रिया में परिवर्तनकारी अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा दिया जा सके। बीआईआरएसी के प्रबंध निदेशक डॉ. जितेंद्र कुमार ने कहा कि यह साझेदारी कौशल विकास, इस क्षेत्र के सुरक्षित तरीके से विकास और व्यवसायीकरण पर ध्यान केंद्रित करेगी जिससे यह सुनिश्चित होगा कि नवाचार तेजी से बाजार तक पहुंचें और उनसे व्यापक स्तर पर सामाजिक और आर्थिक लाभ हो।

इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के अतिरिक्त मुख्य सचिव अमित कुमार घोष और डीबीटी, बीआईआरएसी तथा उत्तर प्रदेश सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। इस दौरान भारत के जैव प्रौद्योगिकी और फार्मा परिदृश्य का विस्तार करने के लिए केंद्र और राज्य दोनों की साझा प्रतिबद्धता का उल्लेख किया गया।

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने गन्ना अर्थव्यवस्था पर राष्ट्रीय परामर्श सत्र को संबोधित किया

श्री शिवराज सिंह ने कहा कि गन्ना रिसर्च के लिए आईसीएआर में अलग टीम बनेगी

पीआईबी

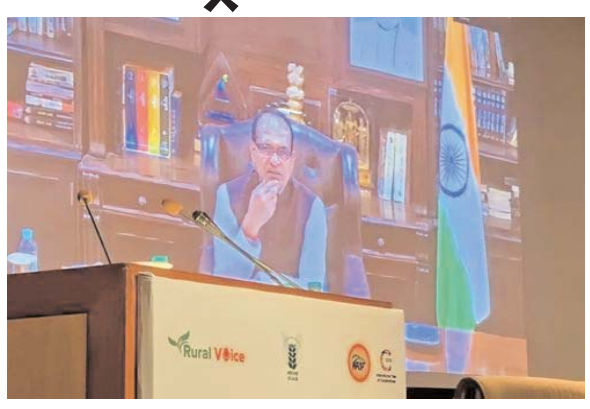

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण व ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज कहा कि देश में गन्ने पर रिसर्च के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) में अलग टीम बनाई जाएगी। यह टीम देखेगी कि गन्ने की पॉलिसी कैसी होनी चाहिए। केंद्रीय मंत्री देश में गन्ने की अर्थव्यवस्था पर आयोजित एक राष्ट्रीय परामर्श सत्र को संबोधित कर रहे थे। यह परामर्श सत्र आज नई दिल्ली के भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, पूसा कैम्पस में मीडिया प्लेटफॉर्म रूरल वॉयस और नेशनल फेडरेशन ऑफ कोऑपरेटिव शुगर फैक्ट्रीज के सहयोग से आयोजित किया गया है ।

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि गन्ने की 238 वैरायटी में चीनी की मात्रा अच्छी निकली है लेकिन इसमें रेड रॉट की समस्या आ रही है। हमें सोचना पड़ेगा कि एक वैरायटी कितने साल चलेगी। हमें साथ-साथ दूसरी वैरायटी पर भी काम करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि महत्वपूर्ण सवाल है रोगों का मुकाबला करना। नई वैरायटी आती है तो रोग भी आते हैं।

केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि मोनोक्रॉपिंग अनेक रोगों को निमंत्रण देती है। इससे नाइट्रोजन फिक्सेशन की समस्या भी उपजती है। एक फसल पोषक तत्वों को कम कर देती है। यह देखा जाना चाहिए कि मोनो क्रॉपिंग की जगह इंटरक्रॉपिंग कितनी व्यावहारिक है। उन्होंने कहा कि समस्याओं से हम परिचित हैं। हमें उत्पादन बढ़ाना है, मैकेनाइजेशन की जरूरत है। यह भी देखना है कि लागत कैसे घटाएं, चीनी की रिकवरी ज्यादा कैसे हो। पानी के इस्तेमाल का भी सवाल है। पानी की आवश्यकता को हम कैसे कम कर सकते हैं। इसके लिए 'पर ड्रॉप मोर क्रॉप' सोच का आधार होना चाहिए। इसके साथ यह भी देखना है कि किसान उतना खर्च करेगा कैसे, क्योंकि ड्रिप बिछाने के लिए पैसे चाहिए। श्री चौहान ने कहा कि बायो प्रोडक्ट और कैसे उपयोगी हो सकते हैं इस पर विचार करना चाहिए। एथेनॉल का अपना महत्व है। मोलासेस की अपनी उपयोगिता है। कौन से अन्य प्रोडक्ट बन सकते हैं जिनसे किसानों का लाभ बढ़े। यह भी देखा जाना चाहिए कि क्या प्राकृतिक खेती फर्टिलाइजर की समस्या में सहायक हो सकती है। वैल्यू चेन एक बड़ा सवाल है। इसे लेकर किसानों की शिकायत व्यवहारिक है। चीनी मिलों की अपनी समस्याएं हो सकती हैं लेकिन किसानों को गन्ने के भुगतान में देरी होती है। मजदूरी की भी समस्या है। आजकल श्रमिक आसानी से नहीं मिलते है। यह देखना चाहिए कि क्या हम ट्रेनिंग देकर कैपेसिटी बिल्डिंग का काम कर सकते हैं। मैकेनाइजेशन डिवीजन भी इस पर सोचे कि कम मेहनत से कैसे गन्ने की कटाई की जा सकता है। श्री चौहान ने कहा कि आईसीएआर को मैं कहना चाहता हूं कि गन्ना रिसर्च के लिए अलग टीम बनाएं। वह टीम व्यावहारिक समस्याओं पर गौर करे।

भारत ने अंतर्राष्ट्रीय विमानन सुरक्षा, संरक्षा और स्थायित्व को सुदृढ़ करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई

रायपुर,

भारत को संयुक्त राष्ट्र की एक विशिष्ट एजेंसी, अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन (आईसीएओ) की परिषद के भाग-द्वितीय के लिए पुनः निर्वाचित किया गया है। भाग-द्वितीय में अंतर्राष्ट्रीय नागरिक हवाई नौवहन के लिए सुविधाओं के प्रावधान में सबसे बड़ा योगदान देने वाले देश शामिल हैं। यह चुनाव 27 सितंबर 2025 को मॉन्ट्रियल में आयोजित आईसीएओ के 42वें अधिवेशन के दौरान हुआ।

भारत ने वर्ष 2022 के चुनावों की तुलना में अधिक वोट हासिल किए, जो सदस्य देशों के बीच भारत के नेतृत्व और अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन के प्रति प्रतिबद्धता में बढ़ते विश्वास को दर्शाता है।

इससे पहले, 2 सितंबर 2025 को, नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने 42वें आईसीएओ अधिवेशन से पहले नई दिल्ली में राजदूतों और उच्चायुक्तों के लिए एक स्वागत समारोह का आयोजन किया था। इस अवसर पर, नागरिक उड्डयन मंत्री श्री राममोहन नायडू ने वर्ष 2025 से वर्ष 2028 तक के कार्यकाल के लिए भारत की पुनः चुनाव उम्मीदवारी के लिए सदस्य देशों से समर्थन मांगा था।

इस प्रयास का समर्थन करते हुए, विदेश मंत्रालय ने अन्य सदस्य देशों के साथ निरंतर संपर्क के माध्यम से, आईसीएओ के उद्देश्यों के प्रति भारत की दृढ़ प्रतिबद्धता की पुष्टि की। विदेश मंत्रालय के राजनयिक प्रयासों ने आईसीएओ परिषद चुनावों के लिए भारत के अभियान को मज़बूती प्रदान की। आईसीएओ मुख्यालय में भारत के प्रतिनिधि (आरओआई) ने भी भारत के पुनर्निर्वाचन के लिए सक्रिय रूप से समर्थन जुटाया।

मॉन्ट्रियल की अपनी यात्रा के दौरान केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री राम मोहन नायडू ने अन्य सदस्य देशों के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी कीं और वैश्विक विमानन उद्योग के हितधारकों के साथ वार्तालाप किया। दुनिया के सबसे तेज़ी से बढ़ते विमानन बाजारों में से एक होने के नाते, भारत ने विमान घटक निर्माण, एमआरओ और कौशल विकास जैसे क्षेत्रों में वैश्विक कंपनियों की अत्यधिक रुचि हासिल की है।

वरिष्ठ उप चुनाव आयुक्त ने बिहार के मुख्य निर्वाचन अधिकारी, राज्य पुलिस नोडल अधिकारियों, आयुक्त, आईजी, डीआईजी, जिला निर्वाचन अधिकारियों और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ मंगलवार, 30 सितंबर, 2025 को पटना में आगामी बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की तैयारियों पर चर्चा के लिए एक समीक्षा बैठक की।

पुलिस आयुक्त सीमांत कुमार सिंह सोमवार, 29 सितंबर, 2025 को बेंगलुरु में आयुक्त कार्यालय में 9.93 करोड़ रुपये मूल्य की जब्त की गई दवाओं का निरीक्षण करते हुए।

एनएमडीसी ने 15वें पीआरसीआई एक्सीलेंस अवॉर्ड 2025 में 15 पुरस्कार जीते

हैदराबाद, लोकशक्ति।

भारत के सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक एनएमडीसी को कॉर्पोरेट उत्कृष्टता, समावेशी नेतृत्व और सामाजिक जिम्मेदारी में अपने उत्कृष्ट योगदान के लिए पब्लिक रिलेशन्स काउन्सिल ऑफ इंडिया (पीआरसीआई) द्वारा गोवा में आयोजित 19वें ग्लोबल कम्यूनिकेशन कानक्लेव में सम्मानित किया गया ।

इस दो दिवसीय कार्यक्रम में गोवा के राज्यपाल पी. अशोक गजपति राजू, केंद्रीय विद्युत और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री श्रीपद येसो नाइक और गोवा विधान सभा के अध्यक्ष गणेश गांवकर सहित विशिष्ट गणमान्य व्यक्तियों ने पुरस्कार प्रदान किए । एनएमडीसी की ओर से श्री पी. जयप्रकाश, महाप्रबंधक (कॉर्पोरेट कम्यूनिकेशन) ने कॉर्पोरेट कम्यूनिकेशन टीम के साथ ये सम्मान प्राप्त किया ।

एनएमडीसी नेतृत्व के लिए चार चाणक्य पुरस्कार

प्रतिष्ठित चाणक्य पुरस्कार 2025 की 16वीं श्रृंखला के अंतर्गत एनएमडीसी ने पीआरसीआई के चार सर्वोच्च सम्मान प्राप्त किए । इनमें श्री अमिताभ मुखर्जी, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक को प्रशासन एवं सुशासन अवॉर्ड, श्रीमती प्रियदर्शिनी गद्दम, निदेशक (कार्मिक) को समावेशी नेतृत्व अवॉर्ड, श्री पी. जयप्रकाश, महाप्रबंधक (कॉर्पोरेट कम्यूनिकेशन) को जनसंपर्क के लिए एमआर अशोक कुमार मेमोरियल अवॉर्ड और चे. श्रीनिवास राव को पीआर प्रोफेशनल अवॉर्ड ऑफ द इयर प्रदान किया गया । संचार और नेतृत्व के क्षेत्र में प्रतिष्ठित पुरस्कारों में से एक, चाणक्य पुरस्कार शासन, समावेशी विकास और सार्वजनिक जुड़ाव में उत्कृष्टता के लिए प्रदान किए जाते हैं । इन उपलब्धियों के साथ, एनएमडीसी ने चैंपियन ऑफ चैंपियंस अवार्ड (रनर-अप) भी जीता, जो उद्योग बेंचमार्क स्थापित करने में अनुकरणीय भूमिका के लिए प्रदान किया जाता है । कुल मिलाकर एनएमडीसी के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए कंपनी ने 15 अवॉर्ड और तीन सांत्वना पुरस्कार जीते । इसके अतिरिक्त, एनएमडीसी को विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार प्राप्त हुए, जिनमें वेबसाइट और माइक्रोसाइट, सामुदायिक प्रभाव संचार, कॉर्पोरेट फिल्म, कॉर्पोरेट कम्यूनिकेशन में उत्कृष्टता, स्थिरता और पर्यावरणीय संचार, हेल्थकेयर कम्यूनिकेशन फिल्म, हाउस जर्नल (अंग्रेजी और क्षेत्रीय), वार्षिक रिपोर्ट, कॉर्पोरेट ब्रोशर, सर्वश्रेष्ठ पीआर अभियान, चाइल्डकेयर के लिए सीएसआर परियोजना, कला, संस्कृति और खेल अभियान, सांस्कृतिक परिवर्तन पहल की सर्वश्रेष्ठ कंपनी और हेल्थकेयर कम्यूनिकेशन फिल्म श्रेणियाँ शामिल हैं ।

कॉर्पोरेट कम्यूनिकेशन टीम को बधाई देते हुए, एनएमडीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री अमिताभ मुखर्जी ने कहा: ÷एनएमडीसी की छवि और प्रतिष्ठा के लिए जिम्मेदार टीम ने पुनः अपनी उत्कृष्टता का प्रदर्शन किया है । ये पुरस्कार हमारे हितधारकों के साथ सार्थक संबंध बनाने में उनके वर्ष-भर के समर्पण और रचनात्मकता का प्रतिबिंब हैं । यह एनएमडीसी के लिए गर्व का क्षण है ।÷

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

समाज में बढ़ती शादी की उम्र और वैवाहिक विच्छेद – एक ज्वलंत समस्या

राष्ट्र स्तरीय हिंदी निबंध प्रतियोगिता का सफल आयोजन...

जांजगीर-चांपा –

अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल महिला सम्मेलन, यवतमाल इकाई (महाराष्ट्र) द्वारा अग्रवाल समाज की ज्वलंत समस्या ÷समाज में बढ़ती शादी की उम्र और वैवाहिक विच्छेद - एक ज्वलंत समस्या÷ विषय पर ऑनलाइन ÷राष्ट्र स्तरीय हिंदी निबंध प्रतियोगिता÷ का आयोजन हिंदी दिवस एवं अग्रसेन जयंती (14 से 22 सितंबर 2025) के पावन अवसर पर किया गया। इस प्रतियोगिता में भारतवर्ष के 9 राज्यों से कुल 61 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया -- दिल्ली, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश - 1-1, राजस्थान - 2, मध्यप्रदेश - 3, छत्तीसगढ़ - 5, पश्चिम बंगाल - 6, ओडिशा - 11 एवं महाराष्ट्र - 26. प्रतिभागियों से प्राप्त निबंधों के मूल्यांकन हेतु 4 निर्णायकों का मनोनयन किया गया। जिनका परिचय यवतमाल इकाई की पदाधिकारियों ने सभा को कराया – जगदीश प्रसाद अग्रवाल (राष्ट्रीय चेयरमैन, अग्र कार्य योजना, बिल्हा - छत्तीसगढ़) % परिचय श्रीमती वंदना मोर ने दिया,डॉ. सपना बंसल (राष्ट्रीय प्रवक्ता, दिल्ली) परिचय श्रीमती ममता सिंघानिया ने दिया,श्रीमती उषा केडिया (संपादक, अग्र ज्योति मासिक संदेश, मैसूर - कर्नाटक) – परिचय श्रीमती सपना अग्रवाल ने दिया, गिरीश जयपुरिया (उपाध्यक्ष, अग्रसेन

जयंती उत्सव समिति, यवतमाल - महाराष्ट्र) ङ्क परिचय श्रीमती रुचिता खेतान ने दिया। आयोजित ऑनलाइन जूम मीटिंग में मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि की उपस्थिति में परिणाम घोषित किए गए।

विजेताओं को सम्मान पत्र प्रदान किए गए, प्रथम - श्रीमती अनामिका संजय अग्रवाल (खरसिया, छत्तीसगढ़) एवं श्रीमती राखी अग्रवाल (संबलपुर, ओडिशा),द्वितीय - कमल मित्तल (रायगढ़, छत्तीसगढ़),तृतीय - श्रीमती संगीता भारतीया (चाकुलिया, झारखंड),चतुर्थ - श्रीमती रेखा अनिल गोयंका (करौली, राजस्थान),पंचम - श्रीमती राखी बजोरिया (यवतमाल, महाराष्ट्र) कार्यक्रम का संचालन, गणेश वंदना, सरस्वती वंदना, दुर्गा स्तुति एवं स्वागत उद्बोधन ङ्क श्रीमती पूनम जयपुरिया (अध्यक्ष, यवतमाल इकाई) द्वारा किया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राजकुमार मित्तल (अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष, अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन) विशिष्ट अतिथि - श्रीमती सुशीला फरमानिया (राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष) गणेश भारतीया (कोषाध्यक्ष, संस्था) एवं चारों निर्णायक गण सहित यवतमाल इकाई के पदाधिकारी गण उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने समाज के युवाओं, अभिभावकों एवं समाजसेवियों से सफल वैवाहिक जीवन हेतु पाँच महत्वपूर्ण सुझाव दिए – विवाह अधिकतम 20:25 वर्ष की आयु तक अवश्य करें, उच्च शिक्षा व नौकरी के लिए विवाह की उम्र को अनावश्यक न बढ़ाएँ, उच्च शिक्षा व नौकरी विवाह पश्चात भी संभव है,संतानोत्पत्ति में विलंब न करें, परिवार में आपसी समझ, सहयोग एवं एडजस्टमेंट की आदत विकसित करेंद्य कार्यक्रम का समापन श्रीमती दीपा अग्रवाल (सचिव, यवतमाल इकाई) द्वारा आभार एवं धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।इस सार्थक पहल द्वारा अग्रवाल समाज की ज्वलंत समस्या पर राष्ट्रीय स्तर पर विचार-विमर्श को प्रोत्साहन देने के लिए यवतमाल इकाई की सभी ओर से भूरि-भूरि प्रशंसा की गई। उक्त जानकारी राष्ट्रीय अग्र कार्य योजना चेयरमैन जगदीश प्रसाद अग्रवाल ने दी है।

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण में मिली अनियमितताएं ग्राम पंचायत कर्रा के सचिव को किया गया निलंबित

जांजगीर-चांपा जनपद पंचायत नवागढ़ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा ग्राम पंचायत कर्रा का निरीक्षण 23 सितम्बर को किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत लाभान्वित हितग्राहियों से चर्चा एवं भौतिक सत्यापन किया गया, जिसमें गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। मौके पर सचिव श्री बुधराम कश्यप से कार्यों की प्रगति संबंधी जानकारी ली गई, किंतु उनका उत्तर संतोषजनक नहीं पाया गया। इस पर जारी स्पष्टीकरण के जवाब को भी असंतोषजनक मानते हुए जिला पंचायत सीईओ श्री गोकुल रावटे ने इसके चलते सचिव श्री बुधराम कश्यप को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। जिला पंचायत से मिली जानकारी के अनुसार सचिव श्री बुधराम कश्यप द्वारा अपने पदीय कर्तव्यों का समुचित निर्वहन नहीं किया गया है। उनका आचरण लापरवाही, उदासीनता एवं अनुशासनहीनता की श्रेणी में पाया गया, जो छत्तीसगढ़ पंचायत (आचरण) नियम 1998 के विपरीत है। सचिव श्री बुधराम कश्यप को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय जनपद पंचायत नवागढ़ रहेगा तथा उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता प्राप्त होगा।

हमने सेवा का धर्म अपनाया है, सेवाधर्म सबसे कठोर है – राजेश्री महन्त

यादव परिवार द्वारा आयोजित श्रीमद् देवी भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ जांजगीर में शामिल हुए महामंडलेश्वर

जांजगीर चांपा / मुझे इस कार्यक्रम में आज से तीन दिन पहले उपस्थित होना था लेकिन कुछ ऐसा कार्य आ गया जिसके कारण निर्धारित समय पर उपस्थित नहीं हो सका किंतु आज समय निकालकर रायपुर से सीधे चलकर आप सभी के बीच उपस्थित हुआ हूं ।यह बातें महामंडलेश्वर राजेश्री महन्त रामसुन्दर दास जी महाराज ने जांजगीर में यादव परिवार द्वारा अपने निज निवास में आयोजित श्रीमद् देवी भागवत ज्ञान यज्ञ में श्रोताओं को संबोधित करते हुए उद्धृत किया। उन्होंने कहा कि हमने जीवन में सेवा का धर्म अपनाया है सेवा का धर्म सबसे कठोर है श्री रामचरितमानस में गोस्वामी तुलसीदास जी महाराज ने यहां तक लिखा है कि- *सिर भर जाऊं उचित अस मोरा। सब ते सेवक धरम कठोरा।।* अर्थात पैर की तो बात ही क्या ? यदि मैं सिर के बल चलते जाऊं तो भी सेवा का कार्य पूरा नहीं होगा। लोगों को व्यास पीठ पर विराजित आचार्य दुर्गा प्रसाद चतुर्वेदी जी ने श्रीमद् देवी भागवत महापुराण की कथा सुनाते हुए कहा कि -हम सब के बीच में परम

पूज्य गुरुदेव जी महाराज का आगमन हुआ है भले ही मैं व्यास पीठ पर बैठा हूं किंतु गुरु के सामने शिष्य बोल नहीं सकता! जो कुछ भी बोल रहा हूं यह उनका ही आशीर्वाद है। उन्होंने कहा कि जिस स्थान पर संत भगवान के चरण कमल पड़ जाते हैं, जहां उनके चरण रज मिल जाता है वह स्थान बंदिनीय हो जाता है। आयोजक परिवार ने पुष्पमाला, वस्त्र, नारियल भेंट कर चरण कमल पखार करके परम पूज्य महाराज जी से आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर विशेष रूप से कमलेश सिंह, प्रमोद सिंह, डी एस यादव, आशीष यादव, जगदीश प्रसाद यादव, नर्मदा प्रसाद यादव, चंद्रशेखर यादव, सूरज प्रकाश यादव, चंद्र प्रकाश, दशरथ प्रसाद यादव, राधेश्याम गुप्ता, कृष्ण कुमार यादव, लक्ष्मी भोई, शत्रुघन यादव, मिडिया प्रभारी निर्मल दास वैष्णव, हर्ष दुबे सहित अनेक गणमान्य नागरिक गण उपस्थित थे।

राजेश्री महन्त जी महाराज अपने प्रवास के दौरान फुलवारी शिवरीनारायण तथा साहड़ा (पलारी) के दुर्गोत्सव में भी सम्मिलित हुए।

शारदीय नवरात्र अष्टमी पर कुष्ठ आश्रम कात्रेनगर आश्रम में भव्य कन्या पूजन सम्पन्न

जांजगीर चांपा। शारदीय नवरात्र के अष्टमी तिथि पर आज कात्रेनगर आश्रम परिसर स्थित भास्कर भवन में भारतीय कुष्ठ निवारक संघ द्वारा भव्य कन्या पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस आयोजन में समीपस्थ ग्राम हथनेवरा, सोठी बस्ती, तिवारीडीपा, धनुवारपारा एवं रामपुर (सबरिया डेरा) से आईं 221 देवी स्वरूप कन्याओं का विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह श्रद्धालुओं के सामूहिक आगमन और कन्याओं का स्वागत कर तिलक एवं चुनरी अर्पित करने के साथ हुआ। हथनेवरा ग्राम के पंडित श्री चौबे महाराज जी ने मंत्रोच्चारणों के साथ विधिपूर्वक माता रानी की पूजा-अर्चना एवं आरती का संचालन किया। इसके साथ ही सोठी ग्राम की मातृशक्ति भजन मंडली ने भक्ति रस से परिपूर्ण जसगीत प्रस्तुत किए, जिससे पूरे आयोजन स्थल पर भक्तिमय वातावरण बन गया।

इस पावन अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिकों की भी उपस्थिति रही। श्री सुधीर देव जी, श्री लोमसराम साहू, अफरीद ग्राम के सरपंच श्री शाश्वतधर दीवान, श्री लक्ष्मी सोनी, श्री घनश्याम तिवारी, श्री दिनेश चंदेल, जयपुरिया परिवार सहित कुष्ठ आश्रम के समस्त

कार्यकर्ता एवं विद्यालय की शिक्षिकाएं एवं संस्था के कार्यकर्ता-बंधु-भगिनियां उत्साहपूर्वक शामिल हुए। उन्होंने कन्याओं को देवी स्वरूप मानकर उनके सम्मान में तिलक, चुनरी और प्रसाद अर्पित किया।

आयोजन के दौरान उपस्थित लोगों ने कन्याओं से आशीर्वाद लिया और मां दुर्गा के जयकारों के बीच पूजन कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। संस्था के पदाधिकारियों ने बताया कि कन्या पूजन नवरात्र पर्व का महत्वपूर्ण अंग है, जो मातृशक्ति के सम्मान और समाज में महिलाओं के महत्व को दर्शाता है।

कार्यक्रम में बच्चों और युवाओं की बड़ी संख्या ने भाग लेकर न केवल धार्मिक उत्साह का अनुभव किया बल्कि समाज में सकारात्मक संदेश भी दिया कि कन्याओं का सम्मान करना हमारी संस्कृति का अविभाज्य हिस्सा है।

अंत में सभी उपस्थित जनों ने मां दुर्गा से प्रार्थना की कि वे समाज और परिवार में सुख-शांति, स्वास्थ्य, समृद्धि और सफलता का आशीर्वाद प्रदान करें। आयोजन स्थल मां दुर्गा के जयकारों और भक्ति गीतों से गुंजायमान रहा।

महाष्टमी एवं कन्या पूजन की इस भव्य अवसर पर सभी ने माता रानी के चरणों में श्रद्धा और भक्ति का भाव प्रकट किया।

प्रधानमंत्री केयर फॉर चिल्ड्रन योजना के लाभान्वित बच्चें कलेक्टर से मिलकर हुए उत्साहित

जांजगीर-चांपा / जिले में कोविड-19 के कारण अनाथ हुए बच्चों को प्रधानमंत्री केयर फॉर चिल्ड्रन योजना के तहत समुचित देखभाल, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा प्रदान की जा रही है। इसी क्रम में आज प्रधानमंत्री केयर फॉर चिल्ड्रन योजना के लाभान्वित बच्चें कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे से मिलकर उत्साहित हुए। कलेक्टर ने बच्चों तथा उनके वर्तमान संरक्षकों से स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण एवं समग्र सुरक्षा संबंधी जानकारी ली एवं बच्चों को स्कूल बैग, स्टेशनरी एवं अध्ययन सामग्री भेंट की और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री केयर फॉर चिल्ड्रन योजना से जुड़े इन बच्चों को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने के उद्देश्य से विभाग द्वारा समय-समय पर निरंतर निगरानी एवं सहयोग प्रदान किया जा रहा है। इस अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती अनिता अग्रवाल एवं जिला बाल संरक्षण अधिकारी श्री गजेन्द्र सिंह जायसवाल उपस्थित थे।

सभी समस्याओं का किया जाएगा निराकरण पहरिया में सीसी रोड का किया भूमिपूजन

जांजगीर-चांपा

जनपद पंचायत बलौदा के अधिनस्थ मां अन्नधरीदाई के पावन धरा पहरिया में विधायक निधि से निर्मित होने वाले छै लाख लागत के सी सी रोड का भूमिपूजन ग्राम वासीयो पंचायत प्रतिनिधियों व क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों के साथ विधायक राघवेन्द्र कुमार सिंह ने किया । भूमिपूजन के पूर्व मां अन्नधरीदाई का दर्शन कर आशीर्वाद लिया और उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि आपने मुझे विधायक इसलिए चुना है कि मैं आप सबके सुख दुख में भागीदार बन सकूं व मूल भूत समस्या का निराकरण कर सकूं । एक एक करके आपके सभी

समस्या का निराकरण किया जायेगा , पूर्व कांग्रेस की सरकार ने बिजली बिल चार सौ युनिट तक आधा कर दिया था जिसे प्रदेश की भाजपा सरकार ने कम कर सौ युनिट कर दिया है जिससे बिल डेढ़ गुना बढ़ गया है । महिलाओ द्वारा मंच की मांग की गई जिस पर विधायक ने सहमति दी इस अवसर पर सरपंच रजनी विक़ातमाथुर,कन्हैया राठौर पूर्व अध्यक्ष जनपद पंचायत बलौदा ,सदन यादव अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ,दिनेश मिरी पूर्व सरपंच, मार्कण्डेय साहू कृष्णा केवट सुरेन्द्र साहू बनवासी बिंझवार सहेत्तर केवट ईश्वरी साहू पिताम्बर कुरे, महेत्तर, गोपी लहरें,जानकी बाई, रूखमणी, सरोजनी,गौरी, शिवकुमारी, प्रेम बाई,वृहस्पत सिंह ,दाऊराम साहू ,पंचराम, निर्मल बिंझवार, मनमोहन सिंह ,खोलबहरा हेमलाल अशोक साहू उकेश,रामकुमार महराज सहित ग़ाम वासी उपस्थित थे तत्पश्चात मां मनका दाई मदनपुर गढ़ दर्शन करने पहुंचे वहां महिलाओं द्वारा एक भवन की मांग की गई जिस पर विधायक द्वारा सहमति दी गई ।

पीएम आवासों को अक्टूबर तक पूर्ण करने एवं मनरेगा के तहत कृषि-आधारित कार्यों को प्राथमिकता देने पर जोर

जिला पंचायत सीईओ श्री गोकुल रावटे ने समीक्षा बैठक में दिए आवश्यक निर्देश

जांजगीर-चांपा / जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री गोकुल रावटे की अध्यक्षता में जनपद पंचायत अकलतरा के सभाकक्ष में विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं की प्रगति, लंबित कार्यों की स्थिति, उपलब्ध संसाधन तथा आगामी लक्ष्यों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान जिला पंचायत सीईओ श्री रावटे ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत स्वीकृत आवासों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि अपूर्ण एवं प्रगतिरत आवासों का कार्य शीघ्र गति से कराया जाए तथा अक्टूबर माह तक सभी आवास पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि योजना के लाभार्थियों को समय पर सामग्री उपलब्ध कराई

जाए और गुणवत्तापूर्ण निर्माण सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। समयबद्ध कार्यवाही न होने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी।

बैठक में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत कराए जा रहे कार्यों की भी समीक्षा की गई। जिला पंचायत सीईओ ने निर्देश दिए कि मनरेगा के तहत कृषि-आधारित गतिविधियों को प्राथमिकता दी जाए, जिससे ग्रामीणों की आय में वृद्धि हो और रोजगार सृजन भी हो सके। उन्होंने कहा कि पशु शेड, मुर्गी शेड, बकरी एवं सूअर पालन शेड जैसे स्थायी संपत्ति निर्माण कार्यों को अधिक से अधिक स्वीकृति दी जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए तथा प्रत्येक स्तर पर नियमित मॉनिटरिंग की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। बैठक में मनरेगा एवं आवास विभाग की टीम, जनपद पंचायत सीईओ, एसडीओ, पीओ, बीपीएम, सचिव, रोजगार सहायक सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

अघोर विद्या पीठ के कराते खिलाड़ियों ने क्यू बेल्ट सर्टिफिकेट अर्जित किया

जांजगीर चांपा /

अघोर विद्या पीठ दल्हा अकलतरा के कराते खिलाड़ियों का बेल्ट ग्रेडिंग स्पर्धा आयोजित किया गया जिसमें खिलाड़ियों ने अपने स्टेमिना, मारक क्षमता, तकनीकी ज्ञान, काता, कुमिते तथा कराते स्पोर्ट्स विधा का प्रदर्शन करते हुए बेल्ट एवं क्यू रैंक सर्टिफिक्रेट अर्जित किए, इस अवसर पर गुरुदेव कपालिक धर्मरक्षित राम एवं पूर्व मुख्य नगर पालिका अधिकारी परमानन्द पटनायक,प्रिंसिपल श्रीमती अंजली दुबे, कराते संघ के प्रमुख वरुण पाण्डेय, कोच सेंसेई रूखमणी रानू, पायल शर्मा,वैभवी सिंह सिसोदिया,खेल टीचर हरप्रीत सिंह, अनवेक्षा तिवारी,लीजा महंत उपस्थित रहे, बेल्ट परीक्षा देकर सफल होने वाले खिलाड़ियों में यलो बेल्ट उन्नति सिंह,आस्था चंदेल,अपूर्वा राजे सिंग,पलक सिंह चंदेल ,रचना सोनी, रूपा रौतिया,प्रकृति सिंह , जीसिका साहू,सिद्धि साहू,अनीता त्रिपाठी, अनमोल साहू,सम्यक प्रताप सिंह, दिव्यांश सिंह, शिवांश दुबे, श्रीवत्स दुबे, मृणाल त्रिपाठी, वैभव मिश्रा, दिव्यांश सोनी, रुद्राक्ष सिंह , अजय ओरण , मनुराज विश्वकर्मा , आर्यवीर सिंह राजपूत,समर्थ सिंह ,तृप्ति सिंह,किशन साहू, मुमुक्षा सिंह, आकृति सिंह, विहान नेताम दीप्ति साहू , दिशा साहू , भूमी चंद्रा,और ग्रीन बेल्ट अंकिता सिंह और ब्राउन बेल्ट तनिषा तनु को प्रदान किया गया ।

खास खबर

पाटीदार भवन में गरबा, गुजरात की झलक

कोरबा, नवरात्र पर्व पर कोरबा में गरबा के रंग खूबसूरती के साथ अगर नजर आ रहे हैं तो वह जगह है ट्रांसपोर्टनगर का पाटीदार समाज भवन। लगभग 4 दशक पहले यहां पर गुजराती समाज ने गरबा की शुरूआत की। समय के साथ इसका कलेवर बदला, लेकिन संदर्भ से लेकर मूल्य और परंपराएं यथावत हैं। गरबा के वास्तविक स्वरूप को दर्शाने का काम यहां हो रहा है। कहा जा सकता है कि गुजरात के गरबा की झलक इस स्थान पर दिख रही है। आयोजकों ने बताया कि नवरात्र उनके लिए इस मायने में बेहद खास है।

संकल्प महिला मंडल ने वनवासी छात्रावास में कन्या भोज के साथ बांटे उपहार

कोरबा हसदेव ताप विद्युत गृह (एचटीपीएस) कोरबा पश्चिम के संकल्प महिला मंडल ने नवरात्रि पर्व के उपलक्ष्य में माँ सर्वमंगला वनवासी कन्या छात्रावास पहुंचकर उपहार बांटा। संकल्प महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती रूबी श्रीवास्तव की अगुवाई में मां दुर्गा स्वरूप कन्याओं की पूजा-अर्चना के बाद कन्या भोज भी कराया गया। उल्लेखनीय है कि संकल्प महिला मंडल समय-समय पर जनसेवा व परोपकार के कार्य दायित्वों को निभाता रहा है। इस अवसर पर उपाध्यक्ष अभिलाषा गुप्ता, मिनती स्वेन व कविता पंड्या, सचिव संगीता कोरम, सह-सचिव मधु जायसवाल व मंजूषा बरडिया, कोषाध्यक्ष हर्षिता श्रीवास्तव, क्रीड़ा सचिव दिव्या देवांगन एवं सांस्कृतिक सचिव दीक्षा गुप्ता उपस्थित रहीं।

तेज रफ्तार बूम बेरियर तोड़ते खंभे से भिड़े, एक मौत, दो घायल

कोरबा। वाहन चलाते समय रफ्तार पर नियंत्रण नहीं रख पाना तीन युवकों के लिए घातक साबित हुआ है। हादसे में एक युवक की जहां मौत हो गई वहीं दो अन्य भी गंभीर रूप से घायल हैं। बताया गया कि एक बाइक पर सवार होकर इनकी तेज रफ्तार बाइक रजकम्मा टोल गेट के बूम बैरियर को टक्कर मारते आगे निकल गई। रफ्तार का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि बूम बेरियर उखड़ कर फेंका गया, इसके बाद भी बाइक की रफ्तार कम नहीं हुई और आगे जाकर अनियंत्रित होते हुए खम्भे से जा टकराई। इसमें एक युवक की मौके पर ही मौत हो जबकि दो अन्य गंभीर हैं। दर्दनाक यह घटना टोल नाका के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। घटना का लाइव फुटेज सामने आया है।

कथित लव जिहाद मामले में शूटर की फायरिंग, तीन आरोपी गिरफ्तार

कोरबा कटघोरा थाना क्षेत्र के कसनियां गांव में तौसीफमेमन के घर पर बाइक सवार शूटर ने फायरिंग की। गोली दुकान के शटर में लगी, जबकि दूसरी दरवाजे के पार गई। परिवार के किसी सदस्य को चोट नहीं आई।

श्रीरामचरित मानस व रामलीला जीवन की सम्पूर्ण पाठशालाः उद्योग मंत्री

0 उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने भव्य आतिशबाजी के बीच श्रीराम दरबार में दीप प्रज्जवलित कर किया कार्यक्रम शुभारंभ

कोरबा

उद्योग, वाणिज्य, श्रम, आबकारी व सार्वजनिक उपक्रम मंत्री श्री लखन लाल देवांगन ने कोरबा के घंटाघर स्थित डॉ.भीमराव अंबेडकर ओपन थियेटर मैदान में श्रीरामलीला व दशहरा उत्सव मेला के शुभारंभ अवसर पर कहा कि श्रीरामचरित मानस एवं रामलीला जीवन की सम्पूर्ण पाठशाला हैं, भगवान श्रीराम द्वारा स्थापित आदर्शो को आत्मसात कर जनकल्याण के मार्ग पर बढ़ना मनुष्य का परम धर्म है। उन्होने कहा कि रामलीला का मंचन केवल धर्म की शिक्षा देना ही नहीं, बल्कि यह मनुष्य के सम्पूर्ण जीवन की पाठशाला है, जो हमें सही अर्थो में जीवन जीने की शिक्षा देती है।

ओपन थियेटर मैदान में श्रीरामलीला व दशहरा उत्सव के भव्य आयोजन का शुभारंभ प्रदेश के उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन के द्वारा किया गया, मंत्री श्री देवांगन ने भव्य आतिशबाजी के बीच श्रीराम दरबार में दीप प्रज्जवलन कर आयोजन का विधिवत शुभारंभ कराया। इस मौके पर मंत्री श्री देवांगन ने भारी संख्या में उपस्थित नागरिकबंधुओं को संबोधित करते हुए कहा कि जब-जब धरती पर अन्याय व अधर्म बढ़ता है, भगवान मानव रूप में अवतरित होकर अन्याय व अधर्म का सम्पूर्ण विनाश करते हैं। उन्होने कहा कि हमारी भावी पीढ़ी को हमारी धर्म व संस्कृति से भलीभांति परिचित होना चाहिए, उन्हें अपने सनातन धर्म का ज्ञान मिलना चाहिए, यह अत्यंत जरूरी है। मंत्री श्री देवांगन ने इस मौके पर महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत एवं आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय सहित निगम के जनप्रतिनिधियों, पार्षदों व निगम की सम्पूर्ण टीम एवं आयोजन में अपना सहयोग प्रदान करने वाले आयोजन समिति के पदाधिकारियों व सदस्यों को इस भव्य आयोजन के लिए साधुवाद दिया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में अपनी गरिमामयी उपस्थिति प्रदान करने वाले विद्याभारती मध्यक्षेत्र उपाध्यक्ष श्री जुड़ावन सिंह ठाकुर ने अपने सारगर्भित उद्बोधन में कहा कि संस्कृति को चलायेमान रखने वाला थियेटर आज सूना होता जा रहा है, जिसे जीवंत रखना जरूरी है, हमारी सामाजिक, पारिवारिक व सांस्कृतिक चेतना को जगाए रखने के लिए ऐसे आयोजन आवश्यक है, निश्चित रूप से नगर निगम द्वारा यह भव्य आयोजन किया गया है, जिसके लिए मैं महापौर, आयुक्त सहित समस्त टीम को बधाई व साधुवाद देता हूँ। इस मौके पर महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने अपने उद्बोधन में कहा कि नौजवान पीढ़ी एवं बच्चों को भगवान श्रीराम की जीवनलीला व अपनी प्राचीन संस्कृति से परिचय कराने के लिए यह आयोजन रखा गया है, उन्होने कहा कि मेरा मन प्रफुल्लित है कि प्रभु श्रीराम की महान कृपा से भव्य रामलीला व दशहरा उत्सव के इस पवित्र आयोजन का सौभाग्य मुझे प्राप्त हुआ है, प्रभु श्रीराम ने अपने जीवन चरित्र के माध्यम से समाज के सामने जो महान आदर्श स्थापित किए थे, उन्होने समाज को एक सूत्र में बांधे रखने का कार्य किया, भाई के साथ भाई का संबंध, पिता के साथ पुत्र का संबंध, पुत्र के साथ पिता का संबंध, मित्र का मित्र के साथ संबंध, राजा का प्रजा के साथ संबंध, किस तरह का होना चाहिए, उनकी मर्यादाएँ क्या होनी चाहिए, इन सबके विराट दर्शन हमें प्रभु श्रीराम के जीवन चरित्र में हर कदम पर मिल जाते हैं, और इसीलिए प्रभु श्रीराम मर्यादा पुरूषोत्तम भी कहलाए हैं।

इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष श्री गोपाल मोदी ने कहा कि मर्यादा पुरूषोत्तम श्री राम के जीवन चरित्र का एक अंश भी अगर हम आत्मसात कर लें, तो हमारा मानव जीवन सफल हो जाएगा। उन्होने कहा कि यह बहुत ही सुंदर आयोजन रखा गया है, जिसके लिए मैं उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन के प्रेरणा व महापौर संजूदेवी राजपूत की पहल का स्वागत करता हूँ, उन्हें साधुवाद देता हूँ। इस अवसर पर निगम आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय ने उपस्थित अतिथियों, श्रद्धालुओं व आमजनमानस का स्वागत करते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्तर की रामलीला के इस आयोजन में मैं आप सभी का स्वागत करता हूँ, उन्होने कहा कि हमारी राज्य सरकार श्रवण कुमार बनकर प्रदेश के वरिष्ठजनों को तीर्थयात्रा व श्रीरामलला के दर्शन करा रही है। उन्होने कहा कि उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन की प्रेरणा व महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत की विशेष पहल पर यह सुंदर आयोजन किया गया है। पुष्पवाटिका प्रसंग, धनुष यज्ञ सहित विविध प्रसंगों का हुआ मंचन - आज भव्य रामलीला व दशहरा उत्सव के शुभारंभ दिवस पर पुष्पवाटिका प्रसंग, धनुष यज्ञ, लक्ष्मण परशुराम संवाद, रामतिलक प्रसंग, मंथरा कैकेई संवाद आदि प्रसंगों का सुंदर मंचन किया गया, वहीं 29 सितम्बर को रामबन गमन, केंवट प्रसंग, दशरथ देवलोक गमन, भरत मिलाप, 30 सितम्बर को पंचवटी प्रसंग, सीताहरण, राम हनुमान मिलन, राम सुग्रीव मैत्री, बाली वध, अशोक वाटिका प्रसंग एवं लंका दहन, 01 अक्टूबर को सेतुबंध, अंगद रावण संवाद, लक्ष्मण शक्ति, मेघनाथ रावण वध व राज्याभिषेक तथा अंतिम दिवस 02 अक्टूबर को लेजर शो में रामायण प्रदर्शन, आतिशबाजी एवं रावण दहन के कार्यक्रम आयोजित किए जाएगें।

दर्शन ने जीवन में आध्यात्मिक शांति और सुकून की अनुभूति दी

वृद्धा शशी राव ने किया रामलला का दर्शन

कोरबा संवाददाता।।

कोरबा पति के मौत के बाद वृद्धा शशी राव ने कभी सोचा भी नहीं था कि एक दिन उन्हें भी मुफ्त में तीर्थ यात्रा का मौका मिलेगा। उन्हें नहीं लगता नहीं था कि वह अब कभी रामलला का दर्शन करने अयोध्या जा पाएगी। जब से अयोध्या में राम मंदिर बना और रामलला विराजमान हुए तब से बेवा शशी राव की इच्छा थी कि वह भी भगवान राम का दर्शन करें। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा तीर्थ यात्रियों का चयन किए जाने के लिए आवेदन मंगाए जाने पर शशीराव ने भी अपना नाम लिखवाया और वह भाग्यशाली रही कि लॉटरी में भी नाम निकल आया। अपना नाम आने के बाद खुद को सौभाग्यशाली मानते हुए शशीराव ने खुशी-खुशी अपने गांव से अयोध्या तक यात्रा की और अयोध्या जाकर अपनी इच्छाओं को पूरा किया। अयोध्या से रामलला का दर्शन करने के बाद खुद को धन्य समझने वाली वृद्धा शशीराव अपनी तीर्थ यात्रा को याद कर खुशियां में समा जाती है और मुख्यमंत्री श्री विश्णुदेव साय सहित छत्तीसगढ़ की सरकार को कोटि-कोटि धन्यवाद करना नहीं भूलती। रामलला दर्शन तीर्थ यात्रा के यादगार पलों को अपनी जेहन में समेटे हुए वह बताती है कि वह पहली बार अयोध्या गई। पाली विकासखंड के ग्राम परसदा की निवासी वृद्धा शशीराव ने बताया कि गांव के कुछ अन्य लोगों के साथ रामलला दर्शन के लिए चयन होने के बाद वे बस में सवार होकर बिलासपुर रेलवे स्टेशन पहुंचे। यहां अन्य यात्रियों के साथ सभी का स्वागत अभिनंदन किया गया। स्पेशल ट्रेन में सवार होने के बाद वे अयोध्या तक पहुंचे। इस दौरान ट्रेन में भजन-कीर्तन का माहौल था और भगवान श्री राम के जयकारे के साथ लंबी दूरी की यात्रा का पता ही न चला। बनारस पहुंचने के बाद जीवन जैसे खुशियों से भर गया। उन्होंने बताया कि अब तक वह सुनती ही आई थी, अब नजदीक से सब कुछ देखना किसी सपने का सच होने जैसा था। यहां से अयोध्या जाने के बाद रामलला का भव्य मंदिर और उनकी प्रतिमा को देखकर सजीवता का अहसास हुआ। यह पल बहुत ही सुखद अनुभूति कराने वाला अविस्मरणीय पल था। वृद्धा शशी राव ने बताया कि तीर्थ यात्रा में जाने का मौका मिला। अन्य तीर्थ यात्रियों के बीच मेल मिलाप और पारिवारिक रिश्ते जैसे अनुभव हुए। उन्होंने कहा कि यात्रा यादगार रही। अभी भी उस यात्रा को याद करने पर भगवान रामलला आंखों में दिखाई देते हैं। वृद्धा शशीराव ने बताया कि वह अपने बेटो के साथ रहती है और अपने गांव के आसपास से कही और नहीं जा पाते। छत्तीसगढ़ की सरकार ने घर से लेकर अयोध्या तक बस, स्पेशल ट्रेन और नाश्ते-भोजन के साथ रहने की व्यवस्था की और बिना पैसा लिए निःशुल्क में श्री रामलला दर्शन तीर्थ यात्रा योजना के माध्यम से हम जैसे गरीब परिवारों को सुनहरा मौका दिया उसके लिए हम धन्यवाद करते हैं।

ओजोन परत संरक्षण दिवस पर कोरबा पावर लिमिटेड का जागरूकता अभियान,300 से अधिक लोगों ने लिया उत्साहपूर्वक भाग

कोरबा ।

कोरबा पावर लिमिटेड (केपीएल) पताडी ने 16 से 20 सितंबर 2025 तक अंतर्राष्ट्रीय ओजोन परत संरक्षण दिवस और सेवा पर्व के अवसर पर विशेष जागरूकता अभियान का आयोजन किया। इस अभियान में संयंत्र के कर्मचारियों, हायर सेकंडरी स्कूल के छात्र-छात्राओं और स्थानीय समुदाय ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

ओजोन परत दिवस के मौके पर कार्यक्रम की शुरुआत संयंत्र परिसर में कोरबा पावर लिमिटेड के अधिकारियों एवं ठेका कर्मियों सहित 100 से अधिक लोगों द्वारा जागरूकता रैली निकालकर की गई। इस अवसर पर कोरबा पावर लिमिटेड के चीफबिजनेस ऑफिसर समीर मित्रा ने ओजोन परत के महत्व और इसके संरक्षण को सरल शब्दों में समझाया वहीं प्रोजेक्ट हेड सी वी के प्रसाद ने जागरूकता अभियान की सराहना की और कहा कि ऐसे अभियान से जन जागरूकता बढ़ती है।जबकि ओ एंड एम प्रमुख अमोल शरद राव महाले ने पर्यावरण स्वास्थ्य एवं सुरक्षा पर जोर देते हुए धरातल पर उतरने और किए गए कार्यो का रिकॉर्ड बनाकर समीक्षा कर निरंतर सुधार करने की बात कही। केपीएल के पास के गांव सरगबुंदिया में स्कूल के 120 से अधिक विद्यार्थियों ने चित्रकला प्रतियोगिता, स्लोगन एवं निबंध प्रतियोगिता में भाग लिया। इस अवसर पर केपीएल के भू-विभाग के प्रमुख विकास ठाकुर, कॉरपोरेट मामले के प्रमुख अतुल गुप्ता एवं स्कूल के शिक्षकों ने प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया तथा कपड़े के बने थैले को प्रदान कर प्लास्टिक बैग को इस्तेमाल न करने का आग्रह किया।

विद्या भारती द्वारा प्रांतीय वैदिक महोत्सव का शुभारंभ

कोरबा संवाददाता

26 सितंबर 25 को सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सीएसईबी कोरबा (पूर्व) में विद्या भारती द्वारा भैया-बहनों के लिए आयोजित प्रांतीय वैदिक महोत्सव का शुभारंभ विधिवत् सांस्कृतिक परंपरा के अनुसार किया गया। इस गरिमामय कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कोरबा नगर निगम के आयुक्त आशुतोष पाण्डेय एवं अध्यक्षता विद्या भारती मध्य क्षेत्र के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष जुड़ावन सिंह के द्वारा किया गया। इस आयोजित कार्यक्रम में अन्य पदाधिकारी के रूप में सरस्वती शिक्षा समिति के अध्यक्ष नान भाई पटेल , व्यवस्थापक जोगेश लांबा, वनांचल सेवा न्यास समिति के सचिव चंद्र किशोर श्रीवास्तव , प्रांत संयोजक श्री अनिल शर्मा, क्षेत्रीय सहसंयोजक श्री प्रेमलाल पटेल, कोरबा विभाग समन्वयक श्री दीपक सोनी, समन्वयक श्री सूर्य कुमार पांडे, पूर्व व्यवस्थापक एवं वरिष्ठ पत्रकार श्री विकास जोशी, विभिन्न विभागों से आए हुए प्राचार्य ध्प्रधानाचार्य, आचार्य ध्आचार्या, स्थानीय विद्यालय के कार्यक्रम प्रभारी एवं प्रतिभागी भैयाध् बहनों की उपस्थिति रही।

इस सांस्कृतिक महोत्सव में 18 विधाओ की प्रतियोगिता जिसमें रंगोली, चित्रकला, निबंध, स्वरचित कविता, प्रश्न मंच, मूर्ति कला, गीता पाठ, वंदे मातरम गायन, व्यक्तिगत गीत,एकलभजन, एकल अभिनय, आचार्य पत्र वाचन, तात्कालिक भाषण, मानस प्रथमाक्षरी, कथा कथन एवं तबला वादन से संबंधित प्रतियोगिताएं आयोजित की गई।

हाईकोर्ट की मुहर : बर्खास्त बीएड शिक्षकों का समायोजन वैध, याचिका खारिज

बिलासपुर ।

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने राज्य सरकार द्वारा 2621 बर्खास्त बीएड योग्य सहायक शिक्षकों को सहायक शिक्षक (विज्ञान/लैबोरेटरी) पदों पर पुनः समायोजित करने के फैसले को वैधानिक ठहराया है। न्यायमूर्ति रविंद्र कुमार अग्रवाल की एकल पीठ ने इस फैसले को न तो अवैध माना और न ही मनमाना करार दिया।

यह मामला तब सामने आया जब जांजगीर-चांपा निवासी संजय कुमार और मुंगेली निवासी विजय कश्यप ने अप्रैल 2025 में सरकार द्वारा लिए गए इस समायोजन निर्णय को अदालत में चुनौती दी। याचिकाकर्ताओं का तर्क था कि छत्तीसगढ़ स्कूल शिक्षा सेवा भर्ती एवं पदोन्नति नियमों के अनुसार सहायक शिक्षक के सभी पद सीधी

भर्ती से भरे जाने चाहिए, लेकिन सरकार ने नियमों को दरकिनार कर पूर्व बर्खास्त शिक्षकों को नियुक्त कर दिया।

वहीं, राज्य सरकार की ओर से दलील दी गई कि कुल 4422 रिक्त पदों में से 2621 पदों पर उन्हीं शिक्षकों को समायोजित किया गया, जिन्हें अप्रैल 2024 में हाईकोर्ट के आदेश के चलते बर्खास्त किया गया था। ये सभी शिक्षक बीएड योग्यताधारी थे, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद जब डीएड योग्यता अनिवार्य हो गई, तो उनकी सेवाएं समाप्त कर दी गई थीं। सभी पक्षों की सुनवाई के बाद अदालत ने यह स्पष्ट किया कि राज्य सरकार का यह निर्णय नियमों के दायरे में है और इसमें कोई भी अनियमितता नहीं पाई गई। इसके साथ ही याचिका को खारिज कर सरकार के फैसले को बरकरार रखा गया। यह फैसला राज्य के शिक्षा क्षेत्र के लिए एक अहम संकेत है कि योग्य और पूर्व सेवा दे चुके शिक्षकों को नियमों के तहत फिर से अवसर दिए जा सकते हैं।

पीएम सूर्य घरः उजाले के साथ विश्वास की नई सुबह, सुशासन और संकल्प से जगमगाता हर घर

सूरज की किरणों से हितग्राही इकबाल व संजय अग्रवाल ऊर्जा उत्पादन की दिशा में बने आत्मनिर्भर

सैकड़ो परिवार व व्यवसायी योजना का उठा रहे लाभ

कोरबा । प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार द्वारा प्रारंभ की गई प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना आज ऊर्जा आत्मनिर्भरता और हरित विकास का प्रतीक बन चुकी है। देश को स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में आगे बढ़ाने तथा आम नागरिकों को सस्ती और सुलभ बिजली उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इस योजना की परिकल्पना की गई। प्रधानमंत्री श्री मोदी का स्पष्ट दृष्टिकोण है कि ष्हर नागरिक को ऊर्जा का अधिकार है और यह ऊर्जा पर्यावरण के अनुकूल तथा विकास को बढ़ावा देने वाली होनी चाहिए।ष् इसी विजन को मूर्त रूप देने के लिए छतों पर सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित कर घर-घर में रोशनी पहुँचाने का लक्ष्य रखा गया है।

यह योजना सिर्फबिजली उत्पादन का साधन नहीं है, बल्कि यह आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक बड़ा कदम है। बढ़ती जनसंख्या, औद्योगिक विकास और बदलते जीवन-स्तर के साथ बिजली की मांग भी तेजी से बढ़ रही है। पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता से न केवल पर्यावरण प्रदूषण बढ़ता है, बल्कि लागत पर भी अधिक बोझ पड़ता है। ऐसे में सौर ऊर्जा जैसे अक्षय स्रोतों का अधिकतम उपयोग करना समय की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना इसी दिशा में एक क्रांतिकारी पहल है, जो आमजन को उनके घर की छत पर ही स्वच्छ और मुफ्त बिजली का विकल्प उपलब्ध कराती है।

छत्तीसगढ़ राज्य में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में इस योजना का सफल क्रियान्वयन किया जा रहा है। राज्य सरकार ने सुनिश्चित किया है कि अधिक से अधिक नागरिक इस योजना से लाभान्वित हों। इसके लिए जिला प्रशासन और विभागीय अधिकारियों द्वारा पोर्टल के माध्यम से आवेदन की प्रक्रिया को सरल बनाया गया है और लाभार्थियों को सब्सिडी सीधे उनके बैंक खातों में प्रदान की जा रही है। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत घरेलू उपभोक्ताओं को 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली की सुविधा दी जाती है। योजना का सबसे बड़ी लाभ की बात यह है कि इसमें लाभार्थियों को 60 प्रतिशत तक की सब्सिडी उपलब्ध कराई जा रही है। साथ ही प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी है और तकनीकी सहयोग भी उपलब्ध कराया जाता है। इससे न केवल घरों और व्यवसायों में बिजली की आवश्यकताएँ पूरी होती हैं, बल्कि अतिरिक्त ऊर्जा ग्रिड को दी जा सकती है, जिससे बिल में और भी राहत मिलती है।

यह योजना लोगों के जीवन में व्यापक परिवर्तन ला रही है। पहले जहाँ बिजली खर्च आम नागरिकों के लिए आर्थिक बोझ बना रहता था, वहीं अब लोग अपने घर की छत पर स्थापित सौर पैनलों से आत्मनिर्भर बन रहे हैं। इससे न केवल उनकी मासिक आय में बचत हो रही है, बल्कि वे पर्यावरण संरक्षण और आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ ऊर्जा देने की दिशा में भी अहम योगदान दे रहे हैं।

आज कोरबा सहित छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों में सैकड़ों परिवार और व्यवसायी इस योजना से लाभ उठा रहे हैं। यह बदलाव केवल आर्थिक राहत तक सीमित नहीं है, बल्कि यह लोगों की सोच और जीवनशैली में सकारात्मक परिवर्तन का प्रतीक भी है। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री की इस दूरदर्शी पहल ने ऊर्जा के क्षेत्र में एक नई क्रांति की शुरुआत की है, जो न केवल राज्य बल्कि पूरे देश के लिए आदर्श बन रही है। जिले के कसनिया गाँव के श्री इकबाल सिंह और श्री संजय अग्रवाल जैसे नागरिक बताते हैं कि योजना से उन्हें नई ऊर्जा मिली है।

श्री इकबाल सिंह (होटल व्यवसायी) ने कहा मैं कई वर्षों से होटल व्यवसाय से जुड़ा हूँ। हमारे यहाँ रोजाना बहुत से ग्राहक आते हैं और उनके लिए आरामदायक माहौल बनाना हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी होती है। पहले मुझे चिंता रहती थी कि इतनी बड़ी व्यवस्था में ऊर्जा की लगातार आवश्यकता कैसे पूरी होगी। लेकिन जब मुझे प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की जानकारी मिली, तो लगा जैसे मेरे जीवन की एक बड़ी समस्या का समाधान मिल गया हो। योजना की प्रक्रिया बेहद सरल और पारदर्शी रही। आज मेरे होटल का संचालन पूरी तरह सौर ऊर्जा पर आधारित है। अब न केवल मेरे व्यवसाय को मजबूती मिली है, बल्कि मैं यह भी महसूस करता हूँ कि सूरज की रोशनी ही मेरे कारोबार की असली ताकत बन चुकी है।

16 लाख 69 हजार रुपये की लागत से निर्मित शासकीय प्राथमिक शाला पीपरपारा के नवीन भवन का लोकार्पण पार्षद नरेन्द्र देवांगन ने किया

कोरबा नगर निगम कोरबा के वार्ड क्रमांक 18 कोहड़िया अंतर्गत जिला खनिज न्यास मद (डीएमएफ) से 16 लाख 69 हजार रुपये की लागत से निर्मित शासकीय प्राथमिक शाला पीपरपारा (कोहड़िया) के नवीन भवन का लोकार्पण रविवार को पार्षद एवं भाजयूमो जिला महामंत्री नरेंद्र देवांगन ने विधिवत पूजा-अर्चना एवं फीता काटकर किया। इस अवसर पर पार्षद नरेंद्र देवांगन ने कहा कि भाजपा सरकार की जनहितकारी योजनाओं और कड्थ् के सहयोग से क्षेत्र के विकास कार्यों के साथ-साथ शिक्षा क्षेत्र में तेजी से विकास कार्य हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस भवन के निर्माण से अब क्षेत्र के बच्चों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिलेगा और नई पीढ़ी के लिए सुनहरा भविष्य का मार्ग प्रशस्त होगा। उन्होंने इस महत्वपूर्ण विकास कार्य के लिए हृदय से आभार व्यक्त किया देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री माननीय श्री विष्णुदेव साय जी, उपमुख्यमंत्री एवं कोरबा जिले के प्रभारी मंत्री शर अरुण साव जी तथा प्रदेश सरकार में आबकारी मंत्री श्री लखनलाल देवांगन जी का। कार्यक्रम में शाला की प्राचार्या श्रीमती टोप्पो, शिक्षिका श्रीमती ऐली, श्रीमती खुशबू सहित भाजपा के कार्यकर्ता राम कश्यप, रवि पोर्टे, मधुकर, आशीष द्विवेदी, कृष्णा द्विवेदी, अजय महंत, दीनदयाल यादव, सोनाराम यादव, बबली मरकाम, सुनीता राव एवं वार्डवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। क्षेत्र वासियों का कहना हैं कि पार्षद नरेंद्र देवांगन के प्रयासों से क्षेत्र में लगातार विकास कार्य संचालित हो रहे हैं, उनके नेतृत्व में कोहड़िया में शिक्षा, सड़क, पेयजल एवं बुनियादी सुविधाओं को लेकर सकारात्मक बदलाव दिखाई दे रहा है।

भारत सरकार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के मंशानुरूप पूरे देश में स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इसी तारतम्य में जशपुर वनमंडल में वनमंडलाधिकारी के मार्गदर्शन में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर वनमंडल के अंतर्गत 34,000 पौधों का रोपण किया गया। साथ ही वनमंडल एवं परिक्षेत्र स्तरीय कार्यालय परिसरों में विशेष सफाई अभियान चलाकर स्वच्छता का संदेश दिया गया।

गोदावरी पॉवर एंड इस्पात लिमिटेड का पैलेट प्लांट बंद

औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा, श्रम विभाग ने की कार्यवाही

रायपुर,

औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा, श्रम विभाग द्वारा कड़ी कार्यवाही करते हुए सिलतरा, रायपुर स्थित गोदावरी पॉवर एंड इस्पात लिमिटेड के 1.8 एमटीपीए पैलेट प्लांट में विनिर्माण एवं मेंटेनेंस कार्यो को तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित कर दिया गया है। यह कार्यवाही कारखाना अधिनियम, 1948 के प्रावधानों के उल्लंघन तथा कारखाने में घटित गंभीर दुर्घटना के मद्देनज़र की गई। विभागीय अधिकारियों ने 26 सितम्बर 2025 को दुर्घटना की सूचना प्राप्त होते ही घटनास्थल पर पहुंचकर जांच प्रारंभ की। जांच में यह तथ्य सामने आया कि कारखाने के ट्रेवलिंग ग्रेट बिल्डिंग के फर्नेस चेम्बर पीएम-02 में कार्य के दौरान अचानक कास्टेबल वाल एवं एक्रेशन गिर जाने से 06 कर्मचारियों की मृत्यु हो गई तथा 06 अन्य घायल हो गए। सभी घायलों का इलाज श्री नारायणा हॉस्पिटल रायपुर में किया गया। विभाग ने यह सुनिश्चित किया है कि जब तक कारखाना प्रबंधन सुरक्षा संबंधी सभी आवश्यक उपाय एवं व्यवस्थाएं पूर्ण नहीं कर लेगा, तब तक पैलेट प्लांट का संचालन बंद रखा जाएगा। कारखाना प्रबंधन को श्रमिकों के स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं कल्याण संबंधी प्रावधानों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। घटना के पश्चात कारखाना प्रबंधन ने मृत श्रमिकों के आश्रितों को कुल 46 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की है तथा प्रत्येक मृतक परिवार के एक सदस्य को योग्यतानुसार स्थायी रोजगार उपलब्ध कराने की बात कही है।

बीजापुर वन मंडल की पुष्पा यादव को मिला एक लाख रूपया अनुकम्पा अनुदान

रायपुर, । छत्तीसगढ़ दैनिक वेतन भोगी वन कर्मचारी संघ के प्रान्ताध्यक्ष रामकुमार सिन्हा के पहल से बीजापुर वन मंडल पुष्पाकी यादव को एक लाख रूपया अनुकम्पा अनुदान राशि आर्थिक सहयोग मिला है। दरअसल मामला यह है कि बीजापुर वन मंडल के अंतर्गत कार्यरत दैनिक वेतन भोगी श्रमिक जगमती यादव जो कि लगातार विभाग में सेवा देते हुए आ रही थी, विभाग में लंबे समय से सेवा देते आ रही थी, उसी दर्मियन में जगमती यादव का निधन हो गया, पिड़ित परिवार के पास कोई सहारा नही था, इसे देखते हुए बीजापुर जिलाध्यक्ष राजेन्द्र यादव ने उक्त मामले को गंभीरता से लेते हुए, पिड़ित परिवार को अनुकम्पा अनुदान दिलाने के लिये छत्तीसगढ़ दैनिक वेतन भोगी वन कर्मचारी संघ के प्रान्ताध्यक्ष रामकुमार सिन्हा को अवगत कराया। प्रान्ताध्यक्ष के अथक प्रयास से बजट प्राप्त हुआ जिससे पिड़िता के आश्रित परिवार उनकी पुत्री पुष्पा यादव को एक लाख रूपया अनुकम्पा अनुदान राशि का भुगतान किया गया। छत्तीसगढ़ दैनिक वेतन भोगी वन कर्मचारी संघ की ओर से प्रान्ताध्यक्ष रामकुमार सिन्हा ने प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन बल प्रमुख एवं अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक वित्त बजट तथा मुख्य वन संरक्षक जगदलपुर, वन मंडलाधिकारी बीजापुर को धन्यवाद दिया है।

बढ़ई के घर से 2 लाख की कीमती लकड़ी जब्त

रायपुर,अवैध तरीके से सागौन की लकड़ी से फर्नीचर बनाए जाने की सूचना पर वन विभाग की टीम ने छापा मारा। इस दौरान फर्निचर और सागौन लकड़ी बरामद हुआ है। वन विभाग की टीम को बड़ी सफलता के बाद दल्लीराजहरा वन परीक्षेत्र की टीम मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है। बताया जा रहा है कि बरामद किए गए लकड़ी की कीमत 2 लाख से उपर है। जानकारी के मुताबिक, ग्राम भैसबोड़ निवासी विकास देवांगन पिता देवनाथ देवांगन अवैध रूप से सागौन की लकड़ी रखकर आलीशान फर्नीचर और अन्य सामान का निर्माण कर रहा था। वह घोठिया गांव में अवैध तरीके से लकड़ी जमा कर फर्नीचर बना रहा था। स्थानीय लोगों से इसकी जानकारी मिलने पर दल्लीराजहरा वन विभाग और उड़न दस्ता टीम ने सर्च वारंट के आधार पर दबिश दी। कार्रवाई के दौरान भारी मात्रा में सागौन की लकड़ियां और फर्नीचर जप्त किए गए। इसमें 36 नग सागौन चिरान, 8 नग सागौन लठ्ठा, 1 नग बीजा लठ्ठा, एक नग डायनिंग टेबल सेट, 1 नग सागौन चौखट, 2 नग सागौन सोफा, 1 नग सागौन दिवान और 2 नग सागौन दरवाजे शामिल हैं। दल्लीराजहरा रेंजर सन्तोष ठाकुर के अनुसार जप्त की गई लड़की और समान की कीमत लगभग 2 लाख के करीब है।

मां दंतेश्वरी को बस्तर दशहरा का चढ़ाया गया निमंत्रण पत्र

रायपुर, शारदीय नवरात्र की पंचमी को राज परिवार के सदस्य कमलचंद भंजदेव दंतेवाड़ा पहुंचे। बस्तर दशहरा में शामिल होने बस्तर की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी को बस्तर राज परिवार के सदस्यों ने निमंत्रण दिया है। राज परिवार के सदस्यों ने देवी की पूजा अर्चना कर न्योता दिया और लगभग 617 साल से चली आ परंपरा को निभाया । पंचमी के दिन मां दंतेश्वरी को न्योता दिए जाने की सालों पुरानी परंपरा के अनुसार न्योता दिया गया। इसे मंगल न्योता कहते है। राजपरिवार का सदस्य होने के नाते राज परिवार के सदस्य ने एक पत्रक लेकर मां दंतेश्वरी और मां मावली को दिया और बस्तर दशहरा में शामिल होने के लिए निवेदन किया। बताया जा रहा है कि पहले माता को सलामी दी जाती है। फिर माता को विराजमान करवाया जाता है।

अमित शाह का ऐलानः 31 मार्च 2026 तक भारत होगा नक्सल मुक्त, 'लाल आतंक' के खात्मे का अंतिम चरण शुरू

रायपुर, संवाददाता

रायपुर/नई दिल्ली, । नई दिल्ली में रविवार को 'भारत मंथन 2025: नक्सल मुक्त भारत, पीएम मोदी के नेतृत्व में लाल आतंक का अंत' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा कि भारत सरकार का लक्ष्य है कि 31 मार्च 2026 तक देश को पूरी तरह से नक्सलवाद से मुक्त* कर दिया जाए। शाह ने स्पष्ट किया कि नक्सलवाद केवल बंदूकधारी समस्या नहीं है, बल्कि यह एक वैचारिक, कानूनी और वित्तीय नेटवर्क से पोषित खतरा है। जब तक इस नेटवर्क को पूरी तरह से उजागर कर खत्म नहीं किया जाता, तब तक यह समस्या जड़ से समाप्त नहीं होगी। शाह ने अपने संबोधन में कहा कि नक्सलवाद की जड़ें 1960 के दशक से हैं और यह 2004 में चरम पर तब पहुंचा जब विभिन्न वामपंथी गुट मिलकर सीपीआई (माओवादी) का गठन हुआ। उस वक्त देश का लगभग 17 प्रतिशत भूभाग 'रेड कॉरिडोर' में आता था और करीब 12 करोड़ लोग इस हिंसा से प्रभावित थे। लेकिन अब मोदी सरकार की नीतियों के चलते यह भूभाग घटकर बहुत सीमित रह गया है। 2014

में जहां 126 जिले नक्सल प्रभावित थे, वहीं अब केवल 18 जिले ही बचे हैं। सबसे अधिक प्रभावित जिलों की संख्या 35 से घटकर अब सिर्फ 6 रह गई है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पहले सरकारें बिखरी हुई रणनीति से नक्सलवाद का मुकाबला करती थीं, जिसमें कभी बातचीत, कभी सुरक्षा और कभी विकास को प्राथमिकता दी जाती थी। लेकिन मोदी सरकार ने 2014 के बाद एक स्पष्ट और ठोस नीति बनाई जिसमें संवाद, सुरक्षा और समन्वय तीनों पर एक साथ काम हुआ। शाह ने दावा किया कि आज देश में नक्सलियों की कमर टूट चुकी है और उन्होंने आत्मसमर्पण की राह पकड़ ली है। आंकड़ों के मुताबिक, 2024 और 2025 में अब तक कुल 560 नक्सली मारे गए हैं, जबकि *1770 से अधिक ने आत्मसमर्पण किया और करीब 1700 गिरफ्तार किए गए हैं*। शाह ने छत्तीसगढ़ का विशेष तौर पर ज़िक्र किया, जहां 2024 में भाजपा सरकार के गठन के बाद नक्सल विरोधी अभियानों में जबरदस्त तेजी आई। उन्होंने बताया कि सिर्फ एक साल में 290 नक्सली मारे गए, जबकि 1090 को गिरफ्तार किया गया और 881 ने आत्मसमर्पण किया। उन्होंने कहा कि जब तक राज्य में विपक्ष की सरकार थी, तब तक इन अभियानों में अपेक्षित सहयोग नहीं मिल रहा था। तेलंगाना-छत्तीसगढ़ सीमा पर मई 2025 में चलाए गए 'ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट' का जिक्र करते हुए शाह ने कहा कि यह एक ऐतिहासिक अभियान था, जिसमें नक्सलियों के एक बड़े कैंप को ध्वस्त कर दिया गया। इस ऑपरेशन में 27 हार्डकोर नक्सली मारे गए और बड़ी मात्रा में हथियार, आईईडी बनाने की फैक्ट्री और दो साल का राशन भी नष्ट किया गया। इससे बचा-खुचा नक्सली ढांचा भी बुरी तरह चरमरा गया है। शाह ने कहा कि सरकार की नीति स्पष्ट है ङ्क जो हथियार छोड़कर मुख्यधारा में आना चाहता है, उसके लिए रेड कार्पेट है, लेकिन जो निर्दोष आदिवासियों पर गोली चलाएगा, उसे जवाब भी गोली से ही मिलेगा। उन्होंने इस बात पर भी सवाल उठाया कि तथाकथित बुद्धिजीवी केवल नक्सलियों की 'पीड़ा' पर लेख लिखते हैं, जबकि वे निर्दोष आदिवासियों की हत्या पर मौन रहते हैं। उन्होंने पूछा कि क्या यह संवेदना चुनिंदा नहीं है? गृह मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने पहली बार बिना किसी भ्रम के नक्सल समस्या से निपटने की नीति बनाई है। राज्यों और केंद्र के बीच बेहतर समन्वय, इंटेलिजेंस साझा करने, संयुक्त अभियान, बेहतर ट्रेनिंग, अत्याधुनिक तकनीक और फोरेंसिक एनालिसिस के ज़रिए नक्सलियों के नेटवर्क को तोड़ने में सफलता मिली है। ऑपरेशन ऑक्टोपस, ऑपरेशन डबल बुल और अब ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट जैसे टारगेटेड अभियानों से बड़ी उपलब्धियां मिली हैं। डीआरजी, एसटीएफ, सीआरपीएफऔर कोबरा बलों को एक साथ प्रशिक्षण और संचालन के लिए तैयार किया गया है, जिससे अभियान पहले से कहीं ज़्यादा प्रभावी और सटीक हुए हैं। उन्होंने बताया कि 2019 के बाद से केंद्र सरकार ने नक्सल प्रभावित राज्यों की क्षमता बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया है। स्क्रश्च और स्ढ्ढस् योजनाओं के तहत 3331 करोड़ रुपये जारी किए गए, जो कि पूर्व की तुलना में 155 प्रतिशत अधिक है। इसके तहत 336 नए ष्टक्रक्कस्न कैंप, 555 फोर्टिफाइड पुलिस स्टेशन और 68 नाइट लैंडिंग हैलीपैड बनाए गए हैं। सुरक्षा बलों के लिए भौगोलिक दूरी के साथ-साथ 'भय की दूरी' को भी खत्म करने की दिशा में यह एक बड़ा कदम है। शाह ने बताया कि 2014 के बाद सरकार ने नक्सलियों की आय के स्रोतों पर भी सख्ती से कार्रवाई की। *एनआईए और ईडी के जरिए करोड़ों रुपये की संपत्तियों को जब्त किया गया*, जिससे उनके शहरी नेटवर्क और वित्तीय सहायता को कमजोर किया जा सका।

सागौन की अवैध लकड़ी से फर्नीचर निर्माण का भंडाफोड़, दो लाख की सामग्री जब्त

बालोद ,(संवाददाता)।

जिले में वन विभाग को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। दल्लीराजहरा वन परीक्षेत्र की टीम ने घोठिया गांव में छापा मारकर अवैध रूप से सागौन की लकड़ी से फर्नीचर बनाने के कारोबार का खुलासा किया है। छापेमारी के दौरान बड़ी मात्रा में कीमती लकड़ियाँ और तैयार फर्नीचर जब्त किए गए हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम भैसबोड़ निवासी विकास देवांगन, अपने पिता देवनाथ देवांगन के नाम पर अवैध रूप से सागौन की लकड़ी जमा कर फर्नीचर तैयार कर रहा था। सूचना मिलने पर दल्लीराजहरा वन विभाग और उड़नदस्ता टीम ने सर्च वारंट के साथ कार्रवाई की। छापेमारी के दौरान मौके से 36 नग सागौन चिरान, 8 नग सागौन लठ्ठा, 1 नग बीजा लठ्ठा, 1 डायनिंग टेबल सेट, 2 सागौन सोफा, 1 दिवान, 1 सागौन चौखट और 2 दरवाजे बरामद किए गए। इसके साथ ही 2.233 घन मीटर सागौन लकड़ी और फर्नीचर निर्माण में प्रयुक्त मशीनें भी जब्त की गई हैं।

दल्लीराजहरा रेंजर संतोष ठाकुर ने बताया कि जब्त की गई सामग्री की कुल अनुमानित कीमत करीब 2 लाख रुपये आंकी गई है। फिलहाल पूरे मामले की जांच जारी है और संबंधित धाराओं के तहत आगे की कार्रवाई की जा रही है।

जगदलपुर में सड़क पर रहने वाले स्वानों के संरक्षण और स्वास्थ्य हेतु निगम एवं स्ट्रे सेफ़फाउंडेशन की संयुक्त पहल

जगदलपुर, शहर में बढ़ती आवारा स्वानों से जुड़ी समस्याओं के समाधान और उनके संरक्षण एवं स्वास्थ्य की दिशा में एक सराहनीय कदम उठाते हुए नगर पालिक निगम, जगदलपुर एवं स्ट्रे सेफ़ फाउंडेशन ने संयुक्त रूप से विशेष अभियान चलाने का निर्णय लिया है। इसी संबंध में आयोजित बैठक में नगर निगम के महापौर संजय पांडे एवं आयुक्त प्रवीण वर्मा सहित फाउंडेशन के प्रतिनिधी शामिल हुए।

बैठक के दौरान शहर में स्वानों की स्थिति, नागरिकों की सुरक्षा और पशु कल्याण से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। इस अवसर पर महापौर संजय पांडे ने कहा कि शहर में मानव और पशु दोनों के सह-अस्तित्व को ध्यान में रखते हुए हमें संवेदनशीलता के साथ कार्य करना होगा। सड़क पर रहने वाले स्वान भी हमारे पर्यावरण का हिस्सा हैं, उनके जीवन की सुरक्षा हमारी जिम्मेदारी है।

बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए जिनमें प्रमुख हैं शीघ्र ही शहर में स्वानों की नसबंदी अभियान प्रारंभ किया जाएगा ताकि उनकी संख्या को नियंत्रित कर अनियंत्रित प्रजनन रोका जा सके।

व्यापक स्तर पर टीकाकरण कार्यक्रम चलाया जाएगा जिससे स्वानों को खतरनाक बीमारियों से सुरक्षा मिल सके और संक्रमण का खतरा कम हो। रेबीज संक्रमित स्वानों के लिए शेल्टर होम स्थापित करने पर सहमति बनी, जिससे उन्हें सुरक्षित स्थान पर उपचार उपलब्ध कराया जा सके।

विशेष रूप से नसबंदी और टीकाकरण अभियान के लिए पशु चिकित्सालय में विशेषज्ञ डॉक्टरों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

महापौर संजय पांडे और आयुक्त प्रवीण वर्मा ने फाउंडेशन को हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया और कहा कि नगर निगम पशु संरक्षण के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इस पहल से न केवल शहरवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी बल्कि बेघर स्वानों के जीवन और स्वास्थ्य की रक्षा में भी यह एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध होगा।

बैठक में स्ट्रे सेफ़ फाउंडेशन के अध्यक्ष लुप्तेश जगत, श्रीमती वंदना सोलंकी, आकाश यादव और सौरभ अहलूवालिया सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने संयुक्त रूप से इस पहल को जनसहयोग के माध्यम से सफल बनाने का संकल्प लिया। मालूम हो कि यह प्रयास शहर में पशु संरक्षण और सार्वजनिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक नई शुरुआत साबित होगा और मानव एवं पशु दोनों के लिए एक सुरक्षित और संवेदनशील वातावरण तैयार करेगा।

लमोरी गांव में पीडीएस चावल की गुणवत्ता पर उठे सवाल, ग्रामीणों में आक्रोश

बलरामपुर-रामानुजगंज,। वाड्रफनगर विकासखंड अंतर्गत आदिवासी बहुल दूरस्थ ग्राम लमोरी में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत वितरित किए जा रहे चावल की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठ खड़े हुए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि प्रेमनगर गोदाम से लाए गए चावल में जाली, धूल, खंडा और पीलापन जैसी अशुद्धियां भारी मात्रा में पाई गईं, जो इसे खाने योग्य नहीं बनातीं।

चार दिन पूर्व जब यह चावल गांव में पहुंचा, तो राशन दुकान का संचालन कर रही महिला स्वयं सहायता समूह ने ट्रक चालान पर ही चावल की गुणवत्ता को लेकर आपत्ति दर्ज करते हुए लिखित टिपण्णी की। उन्होंने ग्रामीणों को भी बुलाकर चावल दिखाया और उनकी उपस्थिति में ही गुणवत्ता पर प्रश्नचिह्न लगाते हुए टिप्पणी दर्ज की गई। इससे यह साफ होता है कि चावल वितरण से पहले ही उसकी स्थिति संदिग्ध थी।

स्थानीय ग्रामीण इंद्रजीत यादव और कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि यह समस्या कोई नई नहीं है। पिछले तीन माह का खराब गुणवत्ता वाला चावल बटा, लेकिन अब तक प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। ग्रामीणों का कहना है कि यह चावल न सिर्फखाने योग्य नहीं है, बल्कि जनस्वास्थ्य के लिए भी खतरा बन सकता है। ग्रामीणों ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि इसमें राइस मिलर, क्वालिटी इंस्पेक्टर, गोदाम प्रभारी और नागरिक आपूर्ति निगम के अधिकारियों की मिलीभगत है। जानबूझकर निम्न गुणवत्ता का चावल आदिवासी और दूरस्थ क्षेत्रों में भेजा जा रहा है, जहां के ग्रामीण अपनी आवाज बुलंद नहीं कर पाते। ग्रामीणों का यह भी कहना है कि भोले-भाले आदिवासी परिवारों की चुप्पी का फायदा उठाकर उन्हें निम्न दर्जे का राशन दिया जा रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि इस पूरे मामले की निर्दोष जांच करवाई जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही, भविष्य में गुणवत्तायुक्त खाद्यान्न की आपूर्ति सुनिश्चित करने की भी मांग की गई है।

वन मंत्री केदार कश्यप ने की वन विभाग के काम-काज की समीक्षा

इको पर्यटन को बढ़ावा देने विस्तृत कार्ययोजना बनाने के दिए निर्देश

तेंदूपत्ता मजदूरी का बकाया भुगतान दीपावली के पूर्व करें- केदार कश्यप

अगले वर्ष में 12 लाख पुरुष तेंदूपत्ता संग्राहकों को मिलेगी चरण पादुका

रायपुर, । वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने इको पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए एक विस्तृत कार्य योजना बनाने को कहा है। उन्होंने कहा कि बिलासपुर संभाग में देखने, घूमने-फिरने और मनोरंजन के लिए कई आकर्षक केंद्र हैं। इन केन्द्रों तक आसान पहुंच मार्ग और कुछ बुनियादी सुविधाएं विकसित किए जाएं, तो और बड़ी संख्या में लोग पहुंच सकेंगे। इससे स्थानीय लोगों को रोजगार मिलने के साथ छत्तीसगढ़ की राष्ट्रीय स्तर पर पहचान भी बढ़ेगी। कश्यप आज बिलासपुर जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में बिलासपुर वन वृत्त के वरिष्ठ वन अधिकारियों की बैठक लेकर वन विभाग के काम-काज की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में पीसीसीएफ एवं वन बल प्रमुख व्ही. श्रीनिवास राव, प्रबंध संचालक, लघु वनोपज सहकारी संघ अनिल साहू, पीसीसीएफ वन्य प्राणी अरुण पाण्डेय सहित अरण्य भवन के एपीसीसीएफ, सीसीएफ और वृत्त के सभी वन मंडल के डीएफओ उपस्थित थे। वन मंत्री केदार कश्यप ने बैठक में विभागीय योजनाओं की वनमंडल वार विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने तेंदूपत्ता पारिश्रमिक के बचे हुए भुगतान को दीपावली के पहले करने के निर्देश दिए। बैंक खाता की तकनीकी दिक्कतों का निदान कर तत्काल हितग्राही के खाते में भुगतान सुनिश्चित किया जाए। मंत्री कश्यप ने कहा कि अगले वर्ष में लगभग 12 लाख पुरुष संग्राहकों को चरण पादुका का वितरण किया जाएगा। इसके लिए उनके पैर का नाप जोख कर जल्दी भिजवाएं ताकि खरीदी की प्रक्रिया मुख्यालय स्तर से शुरू की जा सके। उल्लेखनीय है कि राज्य शासन ने बंद पड़ी चरणपादुका योजना को फिर से शुरू की है। इस साल लगभग 12 लाख महिला संग्राहकों को चरण पादुका वितरित किया गया है। वन मंत्री केदार कश्यप ने अचानकमार अभ्यारण में बाघों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि पर खुशी जाहिर की। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि शावक मिलाकर बाघों की संख्या पिछले दो-तीन साल में 5 से बढ़कर 18 हो गई है। कश्यप ने कहा कि अचानकमार सेंट्रल इंडिया का सबसे बड़ा पर्यटन हब बन सकता है। नजदीक में हवाई, रेल सहित सभी तरह की आवागमन की सुविधा यहां तक पहुंचाने के लिए अनुकूल हैं। उन्होंने अचानकमार से लगे क्षेत्रों में बड़े सेलिब्रिटी बुलाकर कार्यक्रम आयोजित प्रचार प्रसार करने के निर्देश दिए।

अब कलेक्टर, एसपी और निगम कमिश्नर संभालेंगे स्कूलों की जिम्मेदारी

जिला स्तरीय अधिकारियों की नियुक्ति कर रखी जाएगी निगरानी

रायपुर, छत्तीसगढ़ शिक्षा विभाग की ओर से शिक्षा की गुणवत्ता को सुधारने नित नए प्रयोग किए जा रहे हैं। इसी क्रम में सरकारी स्कूलों में समुचित पढ़ाई को व्यवस्थित करने के लिए निगरानी व्यवस्था की गई है। प्रदेश के बिलासपुर जिले में मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान के तहत चयनित स्कूलों में जिला स्तरीय अधिकारियों को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। कलेक्टर, एसपी और नगर निगम कमिश्नर सहित वरिष्ठ अधिकारियों को यह जिम्मेदारी दी गई है कि वे अपने-अपने आबंटित स्कूलों का हर माह कम से कम एक बार निरीक्षण करें। अधिकारियों को स्कूलों का आबंटन और जिम्मेदारी कलेक्टर कार्यालय के आदेश के अनुसार तखतपुर, कोटा, बिल्हा और मस्तूरी ब्लॉक के कुल 228 विद्यालयों का जिम्मा अधिकारियों को सौंपा गया है। जिसमें कलेक्टर संजय अग्रवाल, एसपी रजनेश सिंह , नगर निगम आयुक्त अमित कुमार, जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को भी विभिन्न स्कूलों में नोडल अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है, जिनमें यातायात एएसपी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहरी) और अपर कलेक्टर शामिल हैं। दिए गए विशेष दिशा-निर्देश शिक्षा की गुणवत्ता के सुधार के लिए पायलट प्रोजेक्ट के तहत जिले में शुरू की गई व्यवस्था को सुधारने अधिकारियों को स्कूलों में अनुशासन बनाए रखने और शैक्षणिक वातावरण को सुदृढ़ करने की जिम्मेदारी दी गई है। इसके साथ ही उन्हें नियमित निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए गए हैं। इस पहल से जिले के स्कूलों में शिक्षा के स्तर और छात्रों के सीखने के अनुभव में सुधार की उम्मीद जताई जा रही है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि.,जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित कर तथा 5/756 रामसागरपारा, सिंधी स्कूल के पीछे, स्टेशनरी हाऊस, रायपुर 492001 (छ.ग.) से प्रकाशित। **संपादक प्रेमेन्द्र अग्रवाल ।**
www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily **कार्यकारी संपादक : राजेश अग्रवाल** (किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा)